Website: www.winews.in | Email: winews.in@gmail.com | दिल्ली, नोएडा, हापुड़, फरीदाबाद, मोदीनगर, मेरठ, सहारनपुर, मुजफ्फरनगर, रूड़की, हरिद्वार, देहरादून, मुरादाबाद, बुलंदशहर, अलीगढ़, मथुरा, आगरा,राजस्थान, पंजाब, बहराइच,रामपुर, लखनऊ, काशीपुर, देवबंद में प्रसारित

दैनिक
गाजियाबाद से प्रकाशित हिन्दी दैनिक

वेलकम इंडिया

RNI NO. UPHIN/2018/76874

नये भारत की नई सोच

वर्षः 07 अंकः 208 | गुरुवार, 06 अगस्त-2026 (गाजियाबाद) | पेज-8 | मूल्य-एक रुपया

सरकार चाहती थी अनुपूरक बजट पर चर्चा, सपा दोहराती रही चढ़ावा चोरी पर बहस की मांग; धुल गया मानसून सत्र

वेलकम इंडिया, नेटवर्क

नई दिल्ली। मानसून सत्र के दौरान विपक्ष के हंगामे की वजह से विधानसभा की कार्यवाही तीन दिन में महज पौने तीन घंटे की संचालित हो पाई। सत्र के दौरान सदन की कुल तीन बैठकें हुईं। कुल 5 घंटे 32 मिनट की कार्यवाही में 2 घंटे 49 मिनट का स्थगन रहा, जबकि 2 घंटे 43 मिनट तक सदन की कार्यवाही संचालित हुई। इस दौरान विभिन्न विधायी, संसदीय एवं अन्य जरूरी कार्य संपन्न हुए। तीन दिवसीय सत्र में विभिन्न विभागों से संबंधित कुल 12 महत्वपूर्ण विधेयकों को पारित किया गया। इनमें राजस्व संहिता (संशोधन) विधेयक, लोक सेवा (अधिकरण) (संशोधन) विधेयक, राजस्व संहिता (द्वितीय संशोधन) विधेयक, दंड विधि (अपराधों का शमन और विचारणों का उपशमन) विधेयक, निजी विश्वविद्यालय (संशोधन) विधेयक, निजी विश्वविद्यालय (द्वितीय संशोधन) विधेयक, उप्र निजी विश्वविद्यालय

(तृतीय संशोधन) विधेयक, उप्र निजी विश्वविद्यालय (चतुर्थ संशोधन) विधेयक, रजिस्ट्रीकरण (उप्र संशोधन) विधेयक, भारतीय स्टाम्प (उप्र संशोधन) विधेयक, उप्र वानिकी और औद्यानिकी विश्वविद्यालय विधेयक तथा उप्र विनियोग (2026-27 का अनुपूरक) विधेयक शामिल हैं। वहीं विधानसभा सचिवालय की याचिका समिति को कुल 435 याचिकाएं प्राप्त हुईं।

साथ ही कुल 2,427 प्रश्न प्राप्त हुए, जिनमें 490 तारांकित तथा 1,466 अतारांकित प्रश्न स्वीकार किए गए। इनमें से 120 तारांकित एवं 838 अतारांकित प्रश्नों के उत्तर शासन द्वारा उपलब्ध कराए गए। 95.67 प्रतिशत प्रश्न ऑनलाइन माध्यम से प्राप्त हुए तथा उनके उत्तर भी डिजिटल माध्यम से उपलब्ध कराए गए, जिससे विधानसभा की ई-विधान प्रणाली एवं डिजिटल संसदीय व्यवस्था को और अधिक मजबूती मिली।

विधानमंडल के मानसून सत्र के दौरान सपा के भारी हंगामे के चलते निर्धारित तिथि से एक दिन पहले ही सदन की कार्यवाही अनिश्चितकाल के लिए स्थगित होने के लिए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सपा को कठघरे में खड़ा किया है।

कर्मठ तबके को अपमानित करने वाला है सपा का चरित्रः सीएम योगी आदित्यनाथ

मुख्यमंत्री ने कहा कि सपा का यह चरित्र, अल्प मानदेय के बावजूद प्रदेश के विकास व 25 करोड़ जनता की सेवा में जुटे तबके को अपमानित करने वाला है। इससे पहले भी इन लोगों ने शिक्षामित्रों के भविष्य से खिलवाड़ किया था। शिक्षामित्रों को पहले 3000 मानदेय मिलता था, लेकिन हमारी सरकार ने इसे बढ़ाकर पहले 10 हजार और फिर 18 हजार किया। अनुदेशकों का मानदेय 9 हजार से बढ़ाकर 17 हजार रुपये किया। साथ ही बेसिक, माध्यमिक व उच्च शिक्षा से जुड़े शिक्षकों को भी कैशलेस चिकित्सा सुविधा उपलब्ध कराई।

मुंबई की लाइफलाइन पर 7 फीट का गड्ढा

शिव सेना का 48 घंटे का अल्टीमेटम

वेलकम इंडिया, नेटवर्क

नई दिल्ली। महाराष्ट्र में बारिश का दौर अब कम हो गया है, लेकिन पालघर ज़िले में मीरा-भायंदर और वसई-विरार को जोड़ने वाली घोड़बंदर रोड पर गाड़ी चलाने वालों को अब बड़े-बड़े गड्ढों का सामना करना पड़ रहा है। सड़क खराब होने से मुंबई और दिल्ली को जोड़ने वाले अहम नेशनल हाईवे पर ट्रैफिक बाधित हुआ है और यात्रियों को काफी देरी का सामना करना पड़ रहा है। भायंदर के काजूपाड़ा से वसई-विरार तक भारी ट्रैफिक देखा जा रहा है क्योंकि गाड़ियां खराब सड़क वाले हिस्से से धीरे-धीरे गुजर रही हैं। सड़क की हालत अब एक राजनीतिक मुद्दा भी बन गई है; मरम्मत के काम और फंड की कमी को लेकर तीखी प्रतिक्रियाएं सामने आ रही हैं।

आज तक मुंबई की टीम की जमीनी जांच में एक गड्ढा लगभग 7 फीट लंबा और 3 फीट चौड़ा पाया गया, जिससे नुकसान की गंभीरता का पता चलता है। बारिश के दौरान ये गड्ढे पानी से भर जाते हैं और आसानी से दिखाई नहीं देते, जिससे दुर्घटनाओं का खतरा बढ़ जाता है। अक्सर गाड़ियां इनमें गिर जाती हैं, जिससे गाड़ी को नुकसान होता है और ड्राइवर व यात्रियों को पीठ, गर्दन और रीढ़ की हड्डी में चोट लगने का खतरा रहता है। अधिकारी गड्ढों को भरने का काम तो कर रहे हैं, लेकिन वाहन चालक लगातार यह सवाल पूछ रहे हैं कि अस्थायी उपायों के बजाय इसका स्थायी समाधान कब निकाला जाएगा। घोड़बंदर रोड की खराब हालत अब एक बड़ा मुद्दा बन गई है। मीरा-भायंदर की मेयर डिंपल मेहता ने म्युनिसिपल कमिश्नर को पत्र लिखकर कहा है कि नगर निकाय के पास मरम्मत का काम करने के लिए पर्याप्त फंड नहीं है और यह काम महाराष्ट्र सरकार से मिलने वाले फंड से किया जाना चाहिए। इस पत्र पर शिवसेना ने प्रतिक्रिया दी है; पार्टी ने नगर निगम को 48 घंटे का अल्टीमेटम दिया है और चेतावनी दी है कि अगर इस समय-सीमा के भीतर मरम्मत का काम पूरा नहीं हुआ, तो वे उग्र विरोध प्रदर्शन करेंगे।

शिवसेना ने मेयर डिंपल मेहता और म्युनिसिपल कमिश्नर के खिलाफ आपराधिक मामला दर्ज करने की मांग की है।

सुप्रीम कोर्ट का पुलिस को सख्त निर्देशः स्टूडेंट प्रोटेस्टर्स में संयम बरतें, हिंसक प्रतिक्रिया से बिगड़ेंगे हालात

वेलकम इंडिया, नेटवर्क

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने बुधवार को कहा कि स्टूडेंट प्रोटेस्टर्स से निपटने के दौरान कानून लागू करने वाली एजेंसियों को संयम बरतना चाहिए, क्योंकि अधिकारियों की ओर से कोई भी हिंसक प्रतिक्रिया स्थिति को और खराब कर देगी। ये मौखिक टिप्पणियां उस याचिका पर सुनवाई के दौरान की गईं, जिसमें दिल्ली और देश के कई अन्य हिस्सों में स्टूडेंट प्रोटेस्ट के दौरान हुई हालिया हिंसा जिसमें पत्थरबाजी की घटनाएं भी शामिल हैं। भारत के मुख्य न्यायाधीश (CJI) सूर्यकांत की अध्यक्षता वाली बेंच ने इस मामले को दिल्ली और अन्य राज्यों में छात्र विरोध-प्रदर्शनों के दौरान हुई हिंसा से

जुड़ी अन्य लंबित याचिकाओं के साथ जोड़ दिया और कहा कि सभी मुद्दों पर एक साथ सुनवाई होगी।

NEET-UG पेपर लीक विवाद, जिससे देशभर में लाखों छात्र प्रभावित हुए थे, के विरोध में 'कॉकरोच जनता पार्टी' (CJP) ने 20 जुलाई को 'चलो संसद' मार्च का आयोजन किया था। इस मार्च के दौरान हिंसा हुई; जंतर-मंतर और उसके आस-पास कई जगहों पर प्रदर्शनकारियों और सुरक्षाकर्मियों के बीच झड़पें हुईं। दिल्ली पुलिस के अनुसार, इस हंगामे में 65 से ज्यादा प्रदर्शनकारी और 200 से ज्यादा पुलिसकर्मी घायल हुए। कार्रवाई के दौरान सुरक्षा बलों द्वारा कथित तौर पर प्लास्टिक पेलेट्स (प्लास्टिक की गोलियों) के इस्तेमाल का मामला बाद में एक बड़ा राजनीतिक मुद्दा बन गया, क्योंकि ऐसी खबरें आईं कि कई प्रदर्शनकारियों को गंभीर चोटें आई थीं।

अधिकारियों को सावधानी बरतने की जरूरत है

सुरक्षा कर्मियों से संयम बरतने की जरूरत पर जोर देते हुए उखकने कहा कि लोकतंत्र में ऐसे शांतिपूर्ण मार्च के दौरान सुरक्षा बलों को भी संयम बरतना चाहिए। अधिकारियों को बहुत सावधानी से काम लेना चाहिए ताकि युवा हिंसा न करें। हिंसक प्रतिक्रिया से स्थिति और बिगड़ सकती है। सबसे बड़ी ताकत है बात सुनना। यह सुनना कि वे क्या कह रहे हैं और क्यों विरोध कर रहे हैं। कोर्ट ने एक खतरनाक मिसाल कायम होने के खिलाफ चेतावनी दी और कहा कि युवाओं की बात सुनी जानी चाहिए और हालात को सावधानी से संभाला जाना चाहिए ताकि और हिंसा न हो। बेंच ने कहा हिंसक प्रतिक्रिया से हालात और बिगड़ेंगे।

आईएसआई की जंतर मंतर पर हमले की बड़ी साजिश नाकाम, अमृतसर से 9 आतंकी गिरफ्तार

वेलकम इंडिया, नेटवर्क

नई दिल्ली। एक बड़ी कामयाबी में, अमृतसर पुलिस ने आईएसआई समर्थित सीमा-पार के दो कथित आतंकी मॉड्यूल का भंडाफोड़ किया है और नौ लोगों को गिरफ़्तार किया है।

इनमें चार नाबालिग भी शामिल हैं। पुलिस ने इनके पास से अवैध हथियार, विस्फोटक सामग्री और गोला-बारूद बरामद किया है। पुलिस के मुताबिक, इस ऑपरेशन में तीन अवैध पिस्तौल, नौ ज़िंदा कारतूस और पेट्रोल से भरे चार बोतल बम बरामद किए गए हैं। पंजाब पुलिस ने पर एक पोस्ट में कहा कि शुरूआती जांच से पता चला है कि आरोपी कथित तौर पर पाकिस्तान की इंटर-सर्विसेज इंटेलिजेंस (ISI) से जुड़े विदेशी हैंडलर्स के इशारे पर काम कर रहे थे। ये हैंडलर्स कथित तौर पर स्थानीय युवाओं को आतंकी गतिविधियों, सुरक्षा ठिकानों की निगरानी, अवैध हथियार हासिल करने और पंजाब में अशांति फैलाने के लिए भर्ती करने की कोशिश कर रहे थे। पुलिस को रेलवे ट्रैक के पास सर्विलांस कैमरे इस्तेमाल किए जाने का भी पता चला है।

बताया जा रहा है कि ये कैमरे गतिविधियों पर नजर रखने के लिए लगाए गए थे और इनका फुटेज विदेश में बैठे हैंडलर्स के साथ शेयर किया जाता था। बताया गया है कि अमृतसर के मोहकमपुरा, एयरपोर्ट और सी-डिविजन पुलिस स्टेशनों में एफआईआर दर्ज की गई हैं।

अभिनेता प्रदीप रावत का 74 वर्ष की उम्र में मुंबई में निधन, कैंसर से थे पीड़ित

वेलकम इंडिया, नेटवर्क

मुंबई। अभिनेता आमिर खान अभिनीत फिल्म 'लगान' और 'गजनी' में अपनी दमदार भूमिकाओं के लिए पहचाने जाने वाले अभिनेता प्रदीप रावत का मंगलवार को निधन हो गया। वह 74 वर्ष के थे और लंबे समय से कैंसर से जूझ रहे थे। 'लगान' फिल्म में रावत के सह-कलाकार रहे यशपाल शर्मा ने सोशल मीडिया पर श्रद्धांजलि देते हुए उनके निधन की जानकारी दी।

शर्मा ने लिखा, ''प्रदीप रावत, गजनी के हमारे देवा और लगान के कलाकार को श्रद्धांजलि।'' रावत को टेलीविजन धारावाहिक 'महाभारत'

में अश्वत्थामा की भूमिका से लोकप्रियता मिली थी। उन्होंने इसके बाद विभिन्न भाषाओं की फिल्मों में काम किया। रावत ने टीवी धारावाहिक 'तहकीकात', 'चंद्रकांता' और 'युग' तथा फिल्में 'मेरी जंग', 'सरफरोश', 'द हीरोः स्टोरी ऑफ ए स्पाई' और 'छावा' में भूमिका निभाई।

सोशल मीडिया से इथेनॉल से जुड़ा डीपफेक कटेंट तुरंत हटाएं, मेटा, , गूगल को हाई कोर्ट का नोटिस

वेलकम इंडिया, नेटवर्क

मुम्बई। बॉम्बे हाई कोर्ट ने बुधवार को केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी को अंतरिम राहत दी। उन्होंने सरकार के ए20 इथेनॉल-ब्लेंडिंग प्रोग्राम से खुद को और अपने परिवार को जोड़ने वाले अपमानजनक और डीपफेक कंटेंट को हटाने के लिए केस दायर किया था। जस्टिस आरिफ डॉक्टर ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म और मध्यस्थों को गडकरी के खिलाफ अपमानजनक और आपत्तिजनक कंटेंट हटाने का आदेश दिया। यह केस गडकरी ने मेटा, , गूगल/यूट्यूब, केंद्रीय इलेक्ट्रॉनिक्स

और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय, दूरसंचार विभाग और 'अशोक कुमार/जॉन डो' के तौर पर बताए गए अज्ञात यूजर्स के खिलाफ दायर किया था। कोर्ट ने माना कि गडकरी द्वारा चिह्नित किया गया कंटेंट बहुत बुरा और अपमानजनक था। ऐसा ही एक ट्रांसक्रिप्ट इंस्टाग्राम रील पर दिखाई देता है। और भी कंटेंट है। जिस कंटेंट को वादी हटवाना चाहता है, उसके बारे में मैं बस इतना ही कह सकता हूँ कि वह बेहद घटिया और अपमानजनक है। ऐसे कंटेंट के लिए पब्लिक प्लेटफॉर्म पर कोई जगह नहीं होनी चाहिए, जहाँ युवा समेत हर कोई पहुँच सकता है। याचिकाकर्ता ने अंतरिम राहत के लिए मामला बनाया है। मेटा और गूगल पेश हुए हैं और वे 'एक्ज़िबिट उ' में बताए गए कंटेंट को हटाने के लिए सहमत हो गए हैं। उनके बयान को स्वीकार किया जाता है। इसलिए, कोर्ट ने निर्देश दिया कि ऐसे कंटेंट को हटा दिया जाए। इसके अलावा, अगर भविष्य में गडकरी को ऐसे किसी कंटेंट के बारे में पता चलता है, तो वे संबंधित इंटरमीडियरी को इसकी जानकारी दे सकते हैं, जिन्हें फिर जरूरी कार्रवाई करनी होगी।

नगर निगम का सात दिवसीय कांवड़ शिविर, जलाभिषेक एवं प्रसाद वितरण के साथ किया शुभारंभ

5 से 11 अगस्त तक भोजन, विश्राम, स्वच्छता, प्रकाश और चिकित्सा जैसी सभी मूलभूत सुविधाएं रहेंगी चौबीसों घंटे उपलब्ध

वेलकम इंडिया संवाददाता

गाजियाबाद। सावन माह में भगवान भोलेनाथ के प्रति आस्था और सेवा भाव का अद्भुत संगम उस समय देखने को मिला जब नगर निगम द्वारा बुधवार से सात दिवसीय कांवड़ शिविर का भव्य शुभारंभ किया गया। साईं उपवन में आयोजित इस शिविर का शुभारंभ महापौर सुनीता दयाल एवं नगर आयुक्त विक्रमादित्य सिंह मलिक ने भगवान शिव के विधिवत पूजन-अर्चन, जलाभिषेक एवं पंचामृत अभिषेक के साथ किया। वैदिक मंत्रोच्चार और शिव आराधना के बीच शिवभक्तों एवं कांवड़ यात्रियों को प्रसाद एवं भोजन वितरित कर सेवा कार्य का शुभारंभ किया गया। इस अवसर पर नगर निगम के अधिकारी, पार्षदगण, जनप्रतिनिधि, साइ सेवा ट्रस्ट के पदाधिकारी तथा बड़ी संख्या में श्रद्धालु उपस्थित रहे। कार्यक्रम की शुरूआत नगर आयुक्त विक्रमादित्य सिंह मलिक द्वारा भगवान भोलेनाथ के जलाभिषेक और पंचामृत अभिषेक से हुई। विधिवत पूजा-अर्चना के बाद भगवान शिव को भोग अर्पित किया गया और प्रदेश तथा नगर की सुख-समृद्धि की कामना की गई। इसके उपरांत महापौर सुनीता दयाल एवं नगर आयुक्त ने संयुक्त रूप से कांवड़ यात्रियों को प्रसाद एवं भोजन वितरित कर सात दिवसीय सेवा शिविर का शुभारंभ किया। पूरे परिसर में 'हर-हर महादेव और 'बम-बम भोले के जयघोष से वातावरण भक्तिमय हो उठा।

महापौर सुनीता दयाल ने सभी शिवभक्तों एवं कांवड़ यात्रियों को कांवड़ महोत्सव की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि गाजियाबाद नगर निगम का यह शिविर पूरी तरह प्लास्टिक मुक्त बनाया गया है। पर्यावरण संरक्षण को प्राथमिकता देते हुए भोजन वितरण के लिए स्टील के बर्तनों का उपयोग किया जा रहा है।

उन्होंने श्रद्धालुओं से भी अपील की कि वे प्लास्टिक का उपयोग न करें तथा नगर निगम के इस अभियान को सफल बनाने में सहयोग दें। महापौर ने यह भी कहा कि नगर निगम सीमा में संचालित अन्य कांवड़ शिविरों को भी प्लास्टिक मुक्त बनाए रखने का प्रयास किया जा रहा है, जिससे धार्मिक आयोजन के साथ-साथ पर्यावरण संरक्षण का संदेश भी समाज तक पहुंचे।

संपादक की कलम से

शिक्षा से जुड़ी जान जोखिम में डालने वाली चिन्ताजनक मजबूरियां

भारत आज विकसित राष्ट्र बनने, विश्व की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने और 2047 तक 'विकसित भारत' का स्वप्न साकार करने की दिशा में तेजी से आगे बढ़ रहा है। कृत्रिम बुद्धिमत्ता, डिजिटल इंडिया, स्मार्ट क्लासरूम, ऑनलाइन शिक्षा, नई शिक्षा नीति, आधुनिक विश्वविद्यालय और वैश्विक प्रतिस्पर्धा जैसे विषय हमारे

ललित शर्मा
संपादक

विकास के प्रतीक बन चुके हैं। लेकिन इसी भारत की एक तस्वीर ऐसी भी है जो इन सभी उपलब्धियों को कठोर प्रश्नों के कटघरे में खड़ा कर देती है। मध्यप्रदेश के विदिशा जिले में बरसाती उफान के बीच बेतवा नदी को पार कर स्कूल जाते मासूम बच्चों की तस्वीर केवल एक घटना नहीं, बल्कि उस विकास मॉडल का आईना है जिसमें चमक अधिक है और संवेदना कम। वास्तव में किसी भी राष्ट्र की प्रगति का वास्तविक मापदंड उसकी गगनचुंबी इमारतें, चौड़ी सड़कें अथवा डिजिटल सुविधाएँ नहीं होतीं, बल्कि यह होता है कि उस देश का सबसे अंतिम, सबसे कमजोर और सबसे गरीब बच्चा कितनी सुरक्षा और सम्मान के साथ शिक्षा प्राप्त कर पा रहा है। यदि किसी बच्चे को विद्यालय पहुँचने के लिए उफनती नदी, बहते नाले, टूटी पुलिया, जर्जर रास्ते या जानलेवा परिस्थितियों का सामना करना पड़े तो यह केवल प्रशासनिक विफलता नहीं, बल्कि संविधान की आत्मा पर भी प्रश्नचिह्न है। शिक्षा का अधिकार अधिनियम स्पष्ट रूप से कहता है कि प्रत्येक बच्चे को उसके घर के समीप गुणवत्तापूर्ण शिक्षा उपलब्ध कराना राज्य की जिम्मेदारी है। लेकिन वास्तविकता यह है कि अनेक गांवों में या तो विद्यालय हैं ही नहीं, और यदि हैं भी तो उनमें शिक्षक नहीं हैं। कहीं शिक्षक हैं तो विद्यार्थी नहीं, कहीं भवन हैं तो पढ़ाई नहीं, कहीं भवन ही जर्जर होकर मौत का इंतजार कर रहे हैं। ऊपर से विद्यालयों के समानीकरण की नीति ने अनेक ग्रामीण क्षेत्रों में विद्यालयों की दूरी और बढ़ा दी है। परिणामस्वरूप छोटे–छोटे बच्चों को प्रतिदिन कई किलोमीटर पैदल चलकर, नदियाँ पार कर अथवा जोखिम भरे रास्तों से होकर विद्यालय पहुँचना पड़ता है। विडंबना यह है कि आज हम शिक्षा में तकनीक के बढ़ते प्रयोग पर गर्व कर रहे हैं। स्मार्ट बोर्ड, डिजिटल कंटेंट, ऑनलाइन परीक्षाएँ और कृत्रिम बुद्धिमत्ता आधारित शिक्षण की चर्चा हो रही है। लेकिन जब बच्चा विद्यालय तक सुरक्षित पहुँच ही नहीं पा रहा, तब यह सारी तकनीकी प्रगति उसके लिए केवल एक दूर का सपना बनकर रह जाती है। शिक्षा की पहली शर्त सुरक्षित विद्यालय तक पहुँचना है। यदि यही सुनिश्चित नहीं है तो स्मार्ट क्लासरूम भी उस बच्चे का उपहास ही बन जाते हैं। यह समस्या केवल मध्यप्रदेश तक सीमित नहीं है। देश के अनेक राज्यों में बरसात आते ही हजारों बच्चे उफनते नालों, अस्थायी पुलों और क्षतिग्रस्त सड़कों को पार कर विद्यालय जाने को मजबूर होते हैं। कहीं नाव की व्यवस्था नहीं, कहीं पुल वर्षों से अधूरा पड़ा है, कहीं सड़क निर्माण भ्रष्टाचार की भेंट चढ़ गया है। कई स्थानों पर बच्चे घंटों पानी उतरने का इंतजार करते हैं, जिससे उनकी पढ़ाई प्रभावित होती है। कई बच्चे भय के कारण विद्यालय जाना ही छोड़ देते हैं। इस प्रकार शिक्षा से वंचित होने का सबसे बड़ा कारण केवल गरीबी नहीं, बल्कि असुरक्षित आधारभूत संरचना भी बनती जा रही है। शिक्षा क्षेत्र की जानलेवा परिस्थितियाँ केवल नदी या नाले तक सीमित नहीं हैं। पिछले वर्षों में अनेक दर्दनाक घटनाएँ सामने आई हैं। कहीं जर्जर स्कूल भवन ढह गए, कहीं विद्यालयों में करंट लगने से बच्चों की मौत हुई, कहीं आग लगने से मासूम झुलस गए, कहीं ओवरलोड ऑटो और वैन दुर्घटनाग्रस्त हो गईं। दिल्ली के कोचिंग संस्थान में हुई त्रासदी ने यह भी दिखाया कि शिक्षा के नाम पर संचालित संस्थानों में सुरक्षा मानकों की कितनी घोर अनदेखी होती है।

आपका परिचय

उदय कशोर साह

कविता

आपकी परिचय है खुद आपकी व्यवहार
वातार्लाप का लहजा बताता है संस्कार
चाल चलन है नमूना तेरा तेरे का परिवार
कुछ पूछने बताने की नहीं है अब दरकार

आपकी करतूत से दिखता आपकी विचार
सूरत आपका बतलाता है आपकी संसार
संवाद दिखलाता है आपकी अहंकार
कुछ पूछने बताने की है नहीं अब दरकार

करते हो पड़ोसी से गर नित्य ही तकरार
पता चलता है आपके जेहन की कुविचार
तेरी आदत बन गई तेरी ही। सहचार
कुछ पूछने बताने की नहीं है अब दरकार

गुरूर से पता चलता है तेरी घर का द्वार
हनक दिखलाता है तेरी कितना हो समझदार
जिद बालाता है तेरी खुद की आचार विचार
कुछ पूछने बताने की नहीं हैअब दरकार

घमंड की बगिया को है जो भी बयार
औछेपन की नगरी का हो तुम बाजार
बात बात पे करते है किसी के साथ दुर्व्यवहार
कुछ पूछने बताने की नहीं है अब दरकार

स्वामी, मुद्रक एवं प्रकाशक ललित कुमार द्वारा वेलकम इंडिया प्रिन्टर्स, 1/26, साउथ साइड, जी टी रोड़, गाजियाबाद-201001 से मुद्रित कराकर ग्राउन्ड फ्लोर, दुर्गा टॉवर, आर.डी.सी राजनगर, गाजियाबाद 201002 से प्रकाशित किया। संपादक : ललित शर्मा
सम्पर्क सूत्र: 9891116568

किसी कानूनी विवाद की स्थिति में निपटारा गाजियाबाद न्यायालय में ही होगा।

अलविदा पिनकोड: डाक विभाग ने जारी किया DIGIPIN- क्या भारत डिजिटल एड्रेस क्रांति के नए युग में प्रवेश कर चुका है?

एनके शर्मा
लेखक

जब भी भारत की डाक व्यवस्था के इतिहास का उल्लेख होगा, वर्ष 1972 का नाम स्वर्ण अक्षरों में लिखा जाएगा। यही वह वर्ष था जब तत्कालीन भारतीय डाक विभाग ने छह अंकों वाली पिनकोड (Postal Index Number) प्रणाली लागू की थी। इस व्यवस्था ने देश के विशाल भूभाग, करोड़ों नागरिकों और लाखों डाकघरों को एक सुव्यवस्थित नेटवर्क में जोड़कर संचार व्यवस्था में क्रांतिकारी परिवर्तन किया। पाँच दशकों तक पिनकोड भारतीय डाक व्यवस्था की रीढ़ बना रहा।

किन्तु इक्कीसवीं सदी का भारत अब केवल पत्रों का भारत नहीं है। आज का भारत डिजिटल भुगतान, ई-कॉमर्स, ऑनलाइन बैंकिंग, ड्रोन तकनीक, जीआईएस (Geographic Information System), कृत्रिम बुद्धिमत्ता और उपग्रह आधारित सेवाओं का भारत है। ऐसे समय में केवल एक पिनकोड किसी व्यक्ति के वास्तविक स्थान की सटीक पहचान कराने में सक्षम नहीं रह गया है। यही कारण है कि भारतीय डाक विभाग ने देश को एक नई डिजिटल पहचान देने की दिशा में DIGIPIN (डिजिपिन) प्रणाली प्रस्तुत की है। यह केवल डाक व्यवस्था में परिवर्तन नहीं, बल्कि भारत के डिजिटल भविष्य की एक महत्वपूर्ण आधारशिला है। पिनकोड की सबसे बड़ी सीमा यह रही कि वह किसी बड़े क्षेत्र की पहचान करता है। एक ही पिनकोड के अंतर्गत अनेक गाँव, कॉलोनियाँ, बहुमंजिला इमारतें, औद्योगिक क्षेत्र और हजारों मकान आते हैं। परिणामस्वरूप कई बार डाक, कूरियर और ऑनलाइन ऑर्डर सही समय पर सही स्थान तक नहीं पहुँच पाते। विशेषकर नई विकसित कॉलोनियों, ग्रामीण क्षेत्रों तथा बिना स्पष्ट मकान संख्या वाले इलाकों में यह समस्या और अधिक गंभीर हो जाती है। इन्हीं व्यावहारिक कठिनाइयों को ध्यान में रखते हुए भारतीय डाक विभाग ने IIT हैदराबाद, राष्ट्रीय रिमोट सेंसिंग केंद्र (NRSC) तथा भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (ISRO) के सहयोग से एक जियो-कोडेड डिजिटल एड्रेस प्रणाली विकसित की है, जिसे DIGIPIN नाम दिया गया है। DIGIPIN प्रत्येक स्थान को एक विशिष्ट डिजिटल पहचान प्रदान करता है। यह पहचान किसी पूरे क्षेत्र की नहीं, बल्कि लगभग चार मीटर के दायरे में किसी भवन या स्थान की सटीक भौगोलिक स्थिति को दशार्ने के लिए तैयार की गई है। इसका अर्थ है कि यदि किसी व्यक्ति के पास उसका DIGIPIN है, तो संबंधित स्थान तक अधिक सटीकता के साथ पहुँचना संभव हो सकता है। यह व्यवस्था ऐसे समय में सामने आई है जब

भारत विश्व का सबसे बड़ा डिजिटल उपभोक्ता बाजार बनने की ओर अग्रसर है। प्रतिदिन करोड़ों ऑनलाइन ऑर्डर देशभर में भेजे जाते हैं। ई-कॉमर्स कंपनियाँ अंतिम चरण (Last Mile Delivery) की समस्या से वर्षों से जूझ रही हैं। गलत पता, अधूरी जानकारी, एक जैसे मकान नंबर, बिना नाम वाली गलियाँ और स्थानीय पहचान पर निर्भरता के कारण समय, धन और संसाधनों की भारी हानि होती है। यदि डिजिटल पते का व्यापक उपयोग होने लगे, तो वितरण व्यवस्था अधिक कुशल, तेज और सटीक बन सकती है। DIGIPIN का महत्व केवल पार्सल वितरण तक सीमित नहीं है। आपातकालीन सेवाओं में इसकी उपयोगिता कहीं अधिक महत्वपूर्ण हो सकती है। किसी दुर्घटना, आग, प्राकृतिक आपदा या चिकित्सा आपातकाल में यदि पीड़ित अपना DIGIPIN साझा कर सके, तो एम्बुलेंस, अग्निशमन दल, पुलिस अथवा राष्ट्रीय आपदा प्रतिक्रिया बल को स्थान खोजने में कम समय लग सकता है। भारत जैसे विशाल और विविध भौगोलिक परिस्थितियों वाले देश में यह सुविधा जीवन रक्षक सिद्ध हो सकती है। ग्रामीण भारत के संदर्भ में DIGIPIN का महत्व और बढ़ जाता है। आज भी अनेक गाँव ऐसे हैं जहाँ मकानों के स्पष्ट नंबर नहीं हैं।

कई स्थानों पर लोगों के पते स्थानीय मंदिर, कुएँ, पेड़, चौपाल या किसी प्रतिष्ठित व्यक्ति के घर के आधार पर बताए जाते हैं। ऐसे क्षेत्रों में सरकारी योजनाओं का लाभ पहुँचाने, बैंकिंग सेवाओं, बीमा, जनगणना, चुनावी प्रबंधन तथा डाक वितरण में कठिनाइयाँ आती हैं। यदि प्रत्येक स्थान का डिजिटल पता उपलब्ध हो जाए, तो प्रशासनिक कार्यों की दक्षता में उल्लेखनीय वृद्धि हो सकती है। स्मार्ट सिटी परियोजनाओं, ड्रोन डिलीवरी, स्वायत्त परिवहन, डिजिटल शासन तथा भविष्य की अनेक तकनीकों के लिए भी सटीक डिजिटल एड्रेस आवश्यक होगा। आने वाले समय में जब ड्रोन के माध्यम से दवाइयाँ, आवश्यक वस्तुएँ और अन्य सामग्री भेजी जाएगी, तब पारंपरिक पते पर्याप्त नहीं होंगे। ऐसे में DIGIPIN जैसी प्रणाली भविष्य की आवश्यकताओं को ध्यान में रखकर उठाया गया एक दूरदर्शी कदम प्रतीत होती है। हालाँकि किसी भी नई तकनीक की सफलता केवल उसके विकास पर नहीं, बल्कि उसके व्यापक उपयोग पर निर्भर करती है। DIGIPIN के सामने सबसे बड़ी चुनौती जनस्वीकृति होगी। करोड़ों नागरिकों को इसके बारे में जानकारी देना, उन्हें अपना DIGIPIN प्राप्त करने के लिए प्रेरित करना तथा सरकारी एवं निजी संस्थानों की प्रणालियों में इसे शामिल करना एक लंबी प्रक्रिया होगी। यह भी स्पष्ट समझना आवश्यक है कि वर्तमान समय में पारंपरिक छह अंकों वाला पिनकोड समाप्त नहीं हुआ है। डाक विभाग ने DIGIPIN को एक डिजिटल एड्रेस लेयर के रूप में विकसित किया है, जिसका उद्देश्य पारंपरिक पते को अधिक सटीक बनाना है। इसलिए निकट भविष्य में दोनों प्रणालियाँ साथ-साथ उपयोग में रहेंगी। पिनकोड डाक क्षेत्र की पहचान कराता रहेगा, जबकि DIGIPIN किसी विशिष्ट स्थान की डिजिटल पहचान प्रदान करेगा। इसके साथ ही कुछ महत्वपूर्ण प्रश्न भी सामने आते हैं। क्या सभी सरकारी विभाग, बैंक, बीमा कंपनियाँ, ई-कॉमर्स प्लेटफॉर्म और स्थानीय निकाय इसे शीघ्र अपनाएँगे? क्या डिजिटल साक्षरता की कमी वाले क्षेत्रों में इसका उपयोग सरल होगा? क्या नागरिकों के स्थान संबंधी डेटा की सुरक्षा और गोपनीयता पर्याप्त रूप से सुनिश्चित की जाएगी? इन प्रश्नों के उत्तर भविष्य में इसके क्रियान्वयन के दौरान स्पष्ट होंगे। फिर भी इतना निश्चित है कि भारत अब केवल डिजिटल भुगतान और डिजिटल पहचान तक सीमित नहीं रहना चाहता। आधार ने व्यक्ति की पहचान को डिजिटल स्वरूप दिया, यूपीआई ने वित्तीय लेन-देन को डिजिटल बनाया और अब DIGIPIN प्रत्येक स्थान को एक विशिष्ट डिजिटल पहचान देने की दिशा में आगे बढ़ रहा है। यदि इन प्रणालियों का समन्वित और सुरक्षित उपयोग किया गया, तो नागरिक सेवाओं की गुणवत्ता में व्यापक सुधार संभव है। भारतीय डाक विभाग का यह कदम केवल तकनीकी परिवर्तन नहीं, बल्कि शासन व्यवस्था, लॉजिस्टिक्स, ई-कॉमर्स, आपदा प्रबंधन और नागरिक सुविधाओं को नई दिशा देने वाला प्रयास है। यदि इसे प्रभावी ढंग से लागू किया गया और जनसहभागिता प्राप्त हुई, तो आने वाले वर्षों में भारत विश्व के उन देशों की अग्रिम पंक्ति में खड़ा हो सकता है, जहाँ प्रत्येक नागरिक और प्रत्येक स्थान की डिजिटल पहचान सुव्यवस्थित रूप से उपलब्ध होगी। DIGIPIN केवल दस अंकों का एक कोड नहीं, बल्कि भविष्य के भारत का वह डिजिटल पता है, जहाँ विकास की गति, तकनीक की सटीकता और नागरिक सुविधा एक साथ आगे बढ़ती दिखाई देती है। समय बताएगा कि यह पहल कितनी व्यापक सफलता प्राप्त करती है, किंतु इतना निश्चित है कि भारतीय डाक व्यवस्था ने डिजिटल युग की ओर एक ऐतिहासिक कदम अवश्य बढ़ा दिया है।

एसडीजी-10 और भारत की आरक्षण नीति: सामाजिक न्याय की नई वैश्विक-राष्ट्रीय बहस

किशन भावनानीं
लेखक

वैश्विक स्तरपर हर देश आज आर्थिक प्रगति, कृत्रिम बुद्धिमत्ता,डिजिटल क्रांति और वैज्ञानिक उपलब्धियों के नए दौर में प्रवेश कर चुका है,लेकिन विकास की इस चमक के पीछे असमानता की कई नई परतें उभर रही हैं। संयुक्त राष्ट्र ने अगस्त 2026 के लिए सतत विकास लक्ष्य (एसडीजी)10 के तहत रिड्यूस्ड इनेक्वालिटीज को महीने का लक्ष्य (गोल ऑफ द मंथ) घोषित करनेकी आधिकारिक जानकारी 3 अगस्त 2026 को अपनी आधिकारिक संयुक्त राष्ट्र सतत विकास वेबसाइट (यू एन गोल ऑफ द मंथ) पर अपडेट की है संयुक्त राष्ट्र के सतत विकास लक्ष्य-10, रिड्यूस्ड इनेक्वालिटीज अर्थात असमानताओं में कमी, का उद्देश्य केवल आय का अंतर घटाना नहीं, बल्कि सामाजिक आर्थिक और राजनीतिक समावेशन को मजबूत करना तथा सभी लोगों के लिए समान अवसर सुनिश्चित करना है।संयुक्त राष्ट्र का मानना है कि असमानता दीर्घकालीन सामाजिक एवं आर्थिक विकास को कमजोर कर सकती है,गरीबी उन्मूलन की गति को प्रभावित कर सकती है और लोगों में अवसरों तथा संस्थाओं के प्रति विश्वास को कम कर सकती है।यह घोषणा एक ऐसे मोड़ पर हुई है जब संपूर्ण विश्व आर्थिक विषमता, सामाजिक ध्रुवीकरण और संसाधनों के असमान वितरण जैसी चुनौतियों से जूझ रहा है। संयुक्त राष्ट्र का यह विजन स्पष्ट रूप से मांग करता है कि दुनियाँ का प्रत्येक राष्ट्र अपनी आंतरिक नीतियों की समीक्षा करे,ताकि समाज के सबसे निचले पायदान पर खड़े अंतिम व्यक्ति (वंचित वर्ग) को विकास की मुख्यधारा में शामिल किया जासके। मैं एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानीं गोंदिया महाराष्ट्र यह बताना चाहूंगा कि संयुक्त राष्ट्र आमतौर पर प्रत्येक नए महीने के पहले या शुरूआती दिनों (जैसे 1 से 3 तारीख के बीच) में उस महीने के विशेष वैश्विक अभियान या गोल ऑफ द मंथ की विस्तृत रिपोर्ट और घोषणा जारी करता है, इस बार अगस्त 2026 के इस विशेष अभियान को 3 अगस्त 2026 को पूर्ण विवरण (आंकड़ों और वैश्विक प्राथमिकताओं) के साथ सार्वजनिक किया गया है,जब हम इस अंतर्राष्ट्रीय प्रतिमान को भारतीय धरातल पर क्रियान्वित होते देखते हैं, तो हमारा ध्यान सीधे तौर पर भारत की सबसे संवेदनशील और ऐतिहासिक नीति आरक्षण प्रणाली (रिजर्वेशन सिस्टम) की ओर जाता है। वर्तमान में,वैश्विक समानता के इस आह्वान के समानांतर, भारत के डिजिटल और सामाजिक पटल पर आरक्षण हटाओ आंदोलन जैसी मुहिम अत्यधिक तीव्रता से उभर रही हैं। यह अंतर्विरोध इस बात का जीवंत प्रमाण है कि देश में सामाजिक न्याय के पारंपरिक औजारों और आधुनिक आर्थिक वास्तविकताओं के बीच एक गहरी वैचारिक खाई उत्पन्न

हो चुकी है। साथियों, आरक्षण की संवैधानिक अवधारणा को समझे बिना इस प्रश्न का संतुलित उत्तर संभव नहीं है। भारत में आरक्षण का उद्देश्य किसी वर्ग को विशेषाधिकार देना नहीं, बल्कि ऐतिहासिक सामाजिक बहिष्कार,भेदभाव और अवसरों की असमानता से प्रभावित समुदायों को शिक्षा, सरकारी रोजगार और प्रतिनिधित्व में आगे बढ़ने का अवसर देना था।भारतीय संविधान की समानता संबंधी व्यवस्था केवल औपचारिक समानता तक सीमित नहीं है; वह वास्तविक और सार्थक समानता की दिशा में भी विशेष प्रावधानों की अनुमति देती है।अनुसूचित जातियों, अनुसूचित जनजातियों और सामाजिक एवं शैक्षिक रूप से पिछड़े वर्गों के लिए विशेष उपायों का उद्देश्य उन बाधाओं को कम करना था, जिनके कारण अनेक समुदाय लंबे समय तक शिक्षा, प्रशासन और सामाजिक प्रतिष्ठा से दूर रहे। साथियों, सत्तर वर्षों की यात्रा और आरक्षण की वर्तमान प्रासंगिकता भारतीय स्वतंत्रता के सात दशकों से अधिक समय बीत जाने के बाद, यह प्रश्न पूरी तरह से अपरिहार्य हो चुका है कि क्या आज भी आरक्षण की वास्तविक रूप में आवश्यकता है? इस विमर्श को समझने के लिए भारतीय समाज की ऐतिहासिक संरचना औरसमकालीन प्रगति दोनों का निष्पक्ष मूल्यांकन करना अनिवार्य है। आरक्षण नीति को भारतीय संविधान में एक निश्चित अवधि के लिए राजनीतिक प्रतिनिधित्व के रूप में और सामाजिक-शैक्षणिक रूप से पिछड़े वर्गों के उत्थान के लिए एक 'सकारात्मक कार्रवाई के तौर पर शामिल किया गया था। इस व्यवस्था ने निश्चित रूप से पिछले 70 वर्षों में देश के एक बहुत बड़े शोषित, वंचित और हाशिए पर पड़े समाज को प्रशासनिक, शैक्षणिक और राजनैतिक व्यवस्था में अपनी आवाज उठाने की शक्ति प्रदान की है। इस नीति के बिना भारतीय लोकतंत्र शायद इतना समावेशी नहीं हो पाता। परंतु, समस्या तब उत्पन्न होती है जब सत्तर वर्षों के बाद भी समाज का एक बहुत बड़ा हिस्सा आज भी उसी आदिम पिछड़ेपन, निरक्षरता और घोर सामाजिक अभाव में जीने के लिए विवश है। यह जमीनी हकीकत इस बात की ओर इशारा करती है कि आरक्षण नीति अपने मूल उद्देश्यों को पूर्ण रूप से प्राप्त करने में कहीं न कहीं आंशिक रूप से ही सफल रही है। यही कारण है कि आज की युवा पीढ़ी और आधुनिक विचारक इस नीति की निरंतरता औरइसकी कार्यप्रणाली पर गंभीर सवाल खड़े कर रहे हैं। साथियों, प्रशासनिक अभिजात्य वर्ग और पीढ़ी-दर- पीढ़ी लाभ का संकट इस संपूर्ण विमर्श के केंद्र में सबसे ज्वलंत और तीखा प्रश्न यह है कि क्या जो लोग आरक्षण के बल पर समाज के शीर्ष पायदान पर पहुंच चुके हैं,जैसे कि आईएएस आईपीएस, केंद्रीय सेवाओं के उच्च अधिकारी, बड़े राजनेता और आर्थिक रूप से अत्यधिक संपन्न हो चुके उद्योगपति,क्या उनकी अगली पीढ़ियों को भी इस सुरक्षा कवच की आवश्यकता है? सोशल मीडिया और वर्तमान बौद्धिक विमर्शों में इस बात को लेकर तीव्र आक्रोश है कि आरक्षण का लाभ एक ही परिवार में पीढ़ी-दर-पीढ़ी हस्तांतरित हो रहा है। जब अनुसूचित जाति या जनजाति का कोई व्यक्ति सिविल सेवा के सर्वोच्च पद पर पहुंच जाता है, तो उसकी आने वाली संतति को देश के सबसे महंगे कॉन्वेंट स्कूलों, महानगरों के उच्च बुनियादी ढांचों और समस्त आर्थिक सुख-सुविधाओं का स्वतः लाभ मिल जाता है। ऐसे में,उस संपन्न बच्चे की तुलना उसी की श्रेणी के सुदूर ग्रामीण क्षेत्र में रहने वाले किसी खेतिहर मजदूर,हाथ से मैला उठाने वाले या किसी सुदूर आदिवासी अंचल के बच्चे से करना पूर्णतः अतार्किक और अन्यायपूर्ण प्रतीत होता है। वास्तव में, इस नीतिगत विसंगति के कारण आरक्षित श्रेणियों के भीतर ही एक अभिजात्य वर्ग या क्रीमी लेयर का निर्माण हो गया है, जो अपनी ही जाति के सबसे गरीब, शोषित और अत्यंत पिछड़े लोगों के अधिकारों पर सटिकता से एकाधिकार जमाए बैठा है? साथियों, सामाजिक,आर्थिक और नैतिक विषमता को बढ़ावा वर्तमान आरक्षण प्रणाली के इस रूप से समाज में एक नए प्रकार की सामाजिक, आर्थिक और नैतिक विषमता को बढ़ावा मिल रहा है, जो कि संयुक्त राष्ट्र के एसडीजी 10 के सिद्धांतों के सर्वथा विपरीत है। सामाजिक स्तर पर, यह व्यवस्था जातियों के बीच सद्भाव पैदा करने के बजाय वैमनस्य और विभाजन को गहरा कर रही है। जब योग्यता रखने वाले सामान्य वर्ग के युवाओं को अत्यधिक उच्च अंक प्राप्त करने के बाद भी रोजगार या शिक्षा से वंचित होना पड़ता है, और उनकी तुलना में अत्यधिक संपन्न पृष्ठभूमि वाले आरक्षित वर्ग के उम्मीदवारों का चयन बहुत कम अंकों पर हो जाता है, तो समाज में असंतोष और मानसिक कुंठा का जन्म होता है। आर्थिक स्तर पर, यह विषमता इसलिए बढ़ रही है क्योंकि आरक्षण का आधार आज भी मुख्य रूप से केवल जन्मगत जाति बना हुआ है, न कि व्यक्ति की वर्तमान आर्थिक विपन्नता। नैतिक दृष्टिकोण से भी यह एक गंभीर संकट है। नीतिपरकता यह मांग करती है कि समाज के सबसे कमजोर व्यक्ति को पहले सहारा दिया जाए। परंतु, वर्तमान व्यवस्था में नैतिक रूप से संपन्न हो चुके परिवारों द्वारा स्वेच्छा से इस लाभ का परित्याग न करना और राज्य द्वारा इस पर कोई कठोर सीमा न लगाना, उस अंतिम छोर पर खड़े व्यक्ति के प्रति घोर नैतिक अन्याय है, जो आज भी प्राथमिक शिक्षा और दो वक्त की रोटी के लिए संघर्ष कर रहा है।

राष्ट्रीय गौरव और लोकतांत्रिक अधिकार

डॉ विजय गर्ग
लेखक

किसी भी लोकतांत्रिक राष्ट्र की सबसे बड़ी शक्ति केवल उसकी सीमाएँ, सेना या अर्थव्यवस्था नहीं होती, बल्कि उसके नागरिकों की जागरूकता, संविधान के प्रति आस्था और राष्ट्र के प्रति सम्मान होता है। राष्ट्रीय गौरव और लोकतांत्रिक अधिकार एक-दूसरे के विरोधी नहीं, बल्कि परस्पर पूरक हैं। जब नागरिक अपने अधिकारों का जिम्मेदारी के साथ उपयोग करते हैं और राष्ट्र के सम्मान को सर्वोपरि मानते हैं, तभी एक सशक्त, समावेशी और प्रगतिशील समाज का निर्माण होता है।

भारत विश्व का सबसे बड़ा लोकतंत्र है। हमारा संविधान प्रत्येक नागरिक को अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता, समानता, धार्मिक स्वतंत्रता, शिक्षा का अधिकार और न्याय पाने का अधिकार प्रदान करता है। ये अधिकार लोकतंत्र की आत्मा हैं, क्योंकि इनके माध्यम से नागरिक अपनी बात रख सकते हैं, शासन से प्रश्न पूछ सकते हैं और सार्वजनिक जीवन में सक्रिय भागीदारी निभा सकते हैं। लेकिन संविधान ने यह भी स्पष्ट किया है कि अधिकारों के साथ कर्तव्य भी जुड़े होते हैं। कोई भी स्वतंत्रता निरंकुश नहीं हो सकती। राष्ट्रीय गौरव का अर्थ केवल राष्ट्रध्वज को सलाम करना या राष्ट्रगान गाना नहीं है। इसका वास्तविक अर्थ है देश की एकता, अखंडता, विविधता, संस्कृति, लोकतांत्रिक संस्थाओं और संवैधानिक मूल्यों का सम्मान करना। राष्ट्रीय गौरव तब और मजबूत होता है जब नागरिक ईमानदारी से कर चुकाते

हैं, कानून का पालन करते हैं, सार्वजनिक संपत्ति की रक्षा करते हैं, पर्यावरण को सुरक्षित रखते हैं और सामाजिक सद्भाव बनाए रखने में योगदान देते हैं। लोकतांत्रिक अधिकारों का सबसे महत्वपूर्ण पहलू अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता है।

विचारों की विविधता लोकतंत्र को जीवंत बनाती है। सरकार की नीतियों की आलोचना करना, सुधार की मांग करना और वैकल्पिक विचार प्रस्तुत करना लोकतांत्रिक व्यवस्था का स्वाभाविक हिस्सा है। किंतु यह आलोचना तथ्यपरक, जिम्मेदार और संवैधानिक मयार्दाओं के भीतर होनी चाहिए। ऐसी अभिव्यक्ति जो हिंसा, घृणा, विभाजन या राष्ट्र की सुरक्षा को नुकसान पहुँचाए, लोकतांत्रिक मूल्यों के अनुरूप नहीं मानी जा सकती। आज सोशल मीडिया ने हर नागरिक को अपनी बात रखने का मंच दिया है। यह लोकतंत्र के लिए एक अवसर भी है और चुनौती भी। झूठी खबरें, भ्रामक सूचनाएँ, अफवाहें और घृणा फैलाने वाली सामग्री समाज में तनाव और अविश्वास पैदा कर सकती हैं। इसलिए डिजिटल युग में नागरिकों का दायित्व है कि वे किसी भी जानकारी को साझा करने से पहले उसकी सत्यता की जाँच करें और जिम्मेदार डिजिटल नागरिक बनें। राष्ट्रीय गौरव केवल अतीत की उपलब्धियों पर गर्व करने से नहीं, बल्कि वर्तमान में सकारात्मक योगदान देने से भी बढ़ता है।

जब युवा शिक्षा, नवाचार, विज्ञान, खेल, साहित्य, पर्यावरण संरक्षण और सामाजिक सेवा में उत्कृष्ट कार्य करते हैं, तब वे देश का सम्मान विश्व मंच पर बढ़ाते हैं। यही सच्ची राष्ट्रसेवा है। विद्यालय और परिवार इस संतुलन को विकसित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। बच्चों को केवल अधिकारों की जानकारी देना पर्याप्त नहीं है; उन्हें संविधान, कर्तव्यों, सहिष्णुता, संवाद, विविधता के सम्मान और लोकतांत्रिक मूल्यों का व्यावहारिक महत्व भी सिखाना आवश्यक है। जागरूक और संवेदनशील नागरिक ही लोकतंत्र को मजबूत बना सकते हैं। भारत की सबसे बड़ी पहचान उसकी विविधता में एकता है। विभिन्न भाषाएँ, संस्कृतियाँ, परंपराएँ और विचार हमारे लोकतंत्र को समृद्ध बनाते हैं। जब हम मतभेदों को सम्मानपूर्वक स्वीकार करते हैं और संवाद के माध्यम से समाधान खोजते हैं, तभी लोकतंत्र और राष्ट्रीय एकता दोनों मजबूत होते हैं। अंततः, राष्ट्रीय गौरव और लोकतांत्रिक अधिकार एक ही रथ के दो पहिए हैं। जहाँ राष्ट्रीय गौरव हमें देश के प्रति समर्पण और जिम्मेदारी का भाव देता है, वहीं लोकतांत्रिक अधिकार हमें स्वतंत्र, जागरूक और सक्रिय नागरिक बनने का अवसर प्रदान करते हैं। इन दोनों के बीच संतुलन बनाए रखना ही एक सशक्त, समृद्ध और लोकतांत्रिक भारत की सबसे बड़ी आवश्यकता है।

श्रावण मास: कांवड़ यात्रा को लेकर हापुड़ पुलिस अलर्ट, हापुड़ व गढ़मुक्तेश्वर कोतवाली प्रभारी ने सुरक्षा व्यवस्था का लिया जायजा

वेलकम इंडिया राजेंद्र सिंह वरिष्ठ

हापुड़। श्रावण मास में चल रही कांवड़ यात्रा को सकुशल, शांतिपूर्ण एवं सुरक्षित ढंग से संपन्न कराने के लिए हापुड़ पुलिस पूरी तरह मुस्तैद है। पुलिस अधीक्षक के निर्देशन में हापुड़ कोतवाली एवं गढ़मुक्तेश्वर कोतवाली पुलिस द्वारा कांवड़ मार्गों, शिविरों, धार्मिक स्थलों तथा संवेदनशील एवं मिश्रित आबादी वाले क्षेत्रों में लगातार गश्त कर सुरक्षा व्यवस्था पर विशेष निगरानी रखी जा रही है।हापुड़ कोतवाली प्रभारी मनीष चौहान तथा गढ़मुक्तेश्वर कोतवाली प्रभारी देवेंद्र बिष्ट अपने-अपने पुलिस बल के साथ ड्यूटी प्वाइंटों का निरीक्षण कर सुरक्षा व्यवस्था का जायजा ले रहे हैं। दोनों अधिकारियों ने तैनात पुलिसकर्मियों को पूरी सतर्कता एवं सजगता के साथ ड्यूटी करने के निर्देश दिए। साथ ही कांवड़ यात्रियों की सुविधा, यातायात व्यवस्था और कानून-व्यवस्था बनाए रखने के लिए आवश्यक दिशा-निर्देश भी दिए। हापुड़ एवं गढ़मुक्तेश्वर पुलिस द्वारा कांवड़ यात्रा के दौरान श्रद्धालुओं की सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता दी जा रही है। पुलिस लगातार भ्रमणशील रहकर हर गतिविधि पर पैनी नजर बनाए हुए है, ताकि श्रद्धालु सुरक्षित एवं निर्बाध रूप से अपनी यात्रा पूरी कर सकें। पुलिस ने आमजन से भी सहयोग बनाए रखने तथा किसी भी संदिग्ध गतिविधि की सूचना तत्काल पुलिस को देने की अपील की है।

मिशन शक्ति 5.0 अभियान के अंतर्गत खुशबू कर्णवाल सामाजिक कल्याण एवं शिक्षा के क्षेत्र में सम्मानित

वेलकम इंडिया संवाददाता

बिजनौर। मिशन शक्ति 5.0 अभियान के अंतर्गत समाज सेवा एवं महिला सशक्तिकरण के क्षेत्र में उत्कृष्ट योगदान देने वाली महिलाओं को सम्मानित करने के लिए विदुर सभागार, बिजनौर में एक भव्य सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। समारोह में जिलाधिकारी जसजीत कौर मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहीं। पुलिस अधीक्षक अभिषेक झा तथा मुख्य विकास अधिकारी रणविजय सिंह विशिष्ट अतिथि के रूप में समारोह की गरिमा बढ़ाई। इस अवसर पर यूनिवर्सल एकेडमी, बिजनौर की प्रबंधक खुशबू कर्णवाल को शिक्षा एवं सामाजिक कल्याण के क्षेत्र में उनके उल्लेखनीय एवं निस्वार्थ योगदान के लिए सम्मानित किया गया। कर्णवाल लंबे समय से शिक्षा के साथ-साथ महिला सशक्तिकरण, जरूरतमंद परिवारों की सहायता तथा विभिन्न सामाजिक सेवा गतिविधियों के माध्यम से समाज में सकारात्मक परिवर्तन लाने का कार्य कर रही हैं। समारोह में सम्मानित सभी महिलाओं के कार्यों की सराहना करते हुए उन्हें समाज के लिए प्रेरणास्रोत बताया गया। यह सम्मान उन महिलाओं के प्रति समाज की कृतज्ञता का प्रतीक है, जो अपने समर्पण, सेवा और उत्कृष्ट कार्यों से निरंतर समाज को नई दिशा प्रदान कर रही हैं।

भाजपा प्रदेश उपाध्यक्ष एवं एमएलसी सत्यपाल सैनी ने शिवभक्त कांवड़ियों की सेवा हेतु दवाइयों से भरे वाहन को हरिद्वार के लिए किया रवाना

वेलकम इंडिया राजेंद्र सिंह वरिष्ठ

हापुड़। श्रावण मास एवं कांवड़ यात्रा के दौरान शिवभक्त कांवड़ियों की सेवा और उनके स्वास्थ्य की देखभाल के उद्देश्य से मंगलवार को हापुड़ में एक विशेष सेवा अभियान का शुभारंभ किया गया। भाजपा के प्रदेश उपाध्यक्ष, विधान परिषद सदस्य (एमएलसी) एवं जनपद प्रभारी सत्यपाल सैनी ने मां मंशा देवी सेवा समिति के तत्वावधान में दवाइयों से भरी गाड़ी, ट्रैक्टर एवं कंटेनर का विधिवत पूजन-अर्चन कर नारियल फोड़ते हुए हरी झंडी दिखाकर हरिद्वार के लिए रवाना किया।यह सेवा वाहन गढ़ रोड स्थित जय माता टिम्बर परिसर से रवाना हुआ। वाहन में कांवड़ यात्रा के दौरान शिवभक्तों के उपचार एवं प्राथमिक चिकित्सा के लिए आवश्यक दवाइयों और स्वास्थ्य संबंधी सामग्री की व्यवस्था की गई है। हरिद्वार में सेवा शिविर के माध्यम से हजारों कांवड़ियों को निःशुल्क चिकित्सा सहायता उपलब्ध कराई जाएगी। इस अवसर पर प्रदेश उपाध्यक्ष एवं एमएलसी सत्यपाल सैनी ने कहा कि कांवड़ यात्रा आस्था, श्रद्धा और सेवा का महापर्व है। समाज के प्रत्येक वर्ग को श्रद्धालुओं की सेवा में बढ़-चढ़कर भागीदारी निभानी चाहिए। उन्होंने सेवा समिति के इस प्रयास की सराहना करते हुए इसे सामाजिक दायित्व का उत्कृष्ट उदाहरण बताया। भाजपा जिलाध्यक्ष कविता माधरे ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी हमेशा सेवा, समर्पण और संस्कार की भावना के साथ समाज के बीच कार्य करती रही है। कांवड़ यात्रा के दौरान श्रद्धालुओं की सुविधा, सुरक्षा और स्वास्थ्य की व्यवस्था करना हम सभी का नैतिक दायित्व है। उन्होंने कहा कि मां मंशा देवी सेवा समिति द्वारा चलाया जा रहा यह सेवा अभियान निश्चित रूप से हजारों शिवभक्तों के लिए लाभदायक सिद्ध होगा। उन्होंने सभी श्रद्धालुओं की मंगलमय यात्रा की कामना करते हुए कहा कि ऐसे सेवा कार्य समाज में सकारात्मक संदेश देने का कार्य करते हैं। कार्यक्रम के दौरान उपस्थित सभी लोगों ने विधिवत पूजा-अर्चना कर शिवभक्तों की सुखद एवं सुरक्षित यात्रा की कामना की तथा सेवा कार्य में सहयोग का संकल्प लिया। इस अवसर पर भाजपा पदाधिकारी, समाजसेवी, सेवा समिति के सदस्य एवं बड़ी संख्या में कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

पंडित जनेश्वर मिश्रा का समाजवादी पार्टी को स्थापित और मजबूत करने में ऐतिहासिक योगदान रहा: मो0 अरशद खान

वेलकम इंडिया संवाददाता

जौनपुर। पीडीए भवन, कटघरा, जौनपुर में समाजवादी आंदोलन के महान पुरोधा, 'छोटे लोहिया' पंडित जनेश्वर मिश्रा की जयंती श्रद्धा, सम्मान और सादगी के साथ मनाई गई। इस अवसर पर समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय सचिव एवं पूर्व विधायक जौनपुर सदर मोहम्मद अरशद खान ने उपस्थित कार्यकताओं, बुद्धिजीवियों एवं नागरिकों को संबोधित करते हुए कहा कि पंडित जनेश्वर मिश्रा केवल एक राजनेता नहीं, बल्कि समाजवादी विचारधारा के जीवंत प्रतीक थे। उन्होंने अपना पूरा जीवन गरीबों, किसानों, मजदूरों, नौजवानों, दलितों, पिछड़ों, वंचितों और समाज के कमजोर वर्गों के अधिकारों की लड़ाई लड़ने में समर्पित कर दिया। मोहम्मद अरशद खान ने कहा कि समाजवादी पार्टी को स्थापित करने, उसे वैचारिक मजबूती देने और जन-जन तक समाजवादी आंदोलन का संदेश पहुंचाने में पंडित जनेश्वर मिश्रा का योगदान अत्यंत महत्वपूर्ण रहा। उनकी सादगी, ईमानदारी, संघर्षशीलता और समाज के प्रति समर्पण आने वाली पीढ़ियों के लिए प्रेरणा का स्रोत है। इसलिए उन्हें पूरे देश में सम्मानपूर्वक 'छोटे लोहिया' के नाम से याद किया जाता है।

उन्होंने कहा कि समाजवादी आंदोलन का मूल उद्देश्य सामाजिक न्याय, समान अवसर, लोकतांत्रिक मूल्यों की रक्षा और संविधान की भावना के अनुरूप सभी वर्गों को सम्मानजनक भागीदारी दिलाना है। इसी विचारधारा को आगे बढ़ाते हुए नेताजी मुलायम सिंह यादव और समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने दलित, पिछड़े, अल्पसंख्यक और वंचित समाज के साथ-साथ सवर्ण समाज तथा विशेष रूप से ब्राह्मण समाज को भी हमेशा सम्मान, प्रतिनिधित्व और भागीदारी देने का कार्य किया है। समाजवादी पार्टी सभी वर्गों को साथ लेकर चलने वाली पार्टी है और सामाजिक समरसता तथा भाईचारे की पक्षधर रही है।

मोहम्मद अरशद खान ने कहा कि आज आवश्यकता है कि हम पंडित जनेश्वर मिश्रा के आदर्शों को अपने जीवन में उतारें, सामाजिक सद्भाव को मजबूत करें, लोकतांत्रिक मूल्यों की रक्षा करें और समाज के अंतिम व्यक्ति तक न्याय, सम्मान तथा विकास का लाभ पहुंचाने के लिए संकल्पित होकर कार्य करें। यही उनके प्रति हमारी सच्ची श्रद्धांजलि होगी। कार्यक्रम के अंत में पंडित जनेश्वर मिश्रा के चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित की गई तथा उनके बताए मार्ग पर चलने का सामूहिक संकल्प लिया गया।

सीओ कुलदीप गुप्ता का भाकियू (एकता शक्ति) ने किया सम्मान, जनहित के मुद्दों पर हुई चर्चा

वेलकम इंडिया राजेंद्र सिंह वरिष्ठ

मुरादाबाद। भारतीय किसान यूनियन (एकता शक्ति) के प्रतिनिधिमंडल ने बुधवार को मुरादाबाद कोतवाली के क्षेत्राधिकारी (सीओ) कुलदीप गुप्ता से शिष्टाचार भेंट की। इस दौरान संगठन की ओर से उन्हें स्मृति-चिह्न भेंट कर सम्मानित किया गया।भेंट के दौरान प्रतिनिधिमंडल ने संगठन की गतिविधियों एवं जनहित से जुड़े विभिन्न विषयों पर सकारात्मक चर्चा की। सीओ कुलदीप गुप्ता ने प्रतिनिधिमंडल का आत्मीय स्वागत करते हुए सामाजिक समरसता, कानून-व्यवस्था और जनसेवा के क्षेत्र में हर संभव सहयोग का भरोसा दिलाया।भारतीय किसान यूनियन (एकता शक्ति) के पदाधिकारियों ने कहा कि संगठन किसानों और आमजन से जुड़े मुद्दों को प्रशासन तक प्रभावी ढंग से पहुंचाने के लिए लगातार कार्य कर रहा है तथा प्रशासन के साथ बेहतर समन्वय बनाए रखने के लिए प्रतिबद्ध है। इस अवसर पर राष्ट्रीय संगठन महामंत्री एडवोकेट अक्षित शर्मा, प्रदेश अध्यक्ष (अल्पसंख्यक प्रकोष्ठ) आबिद खान, महानगर अध्यक्ष नोएडा सतीश पंडित, प्रदेश उपाध्यक्ष (अल्पसंख्यक प्रकोष्ठ) नौशाद सैफी, नगर अध्यक्ष दादरी अमन चौधरी सहित संगठन के अन्य पदाधिकारी उपस्थित रहे।

नशा मुक्त भारत अभियान के अंतर्गत नुक्कड़ नाटक का हुआ आयोजन

वेलकम इंडिया संवाददाता

चांदपुर। शकुंतला महाविद्यालय में 'नशा मुक्त भारत अभियान' के अंतर्गत नुक्कड़ नाटक का आयोजन किया गया। जिसमें अनुष्का, लुजैन, अलिस्बा, समीक्षा , दीपांशी , पायल, मनीषा, अलवीरा, मोहसिन, आर्यन कुमार और शांतनु आदि छात्र-छात्राओं ने बढ़ चढ़कर हिस्सा लिया । हर्षी अग्रवाल और पारुल राव के निर्देशन में शानदार नुक्कड़ नाटक की प्रस्तुति की गई । जिसकी प्रस्तुति देखकर सभी ग्राम वासियों ने नाटक की मंत्र मुग्ध होकर प्रशंसा की। महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ० एच० जी० पाठक ने कहा कि इस प्रकार के सराहनीय कार्यक्रमो से समाज में जागरूकता आती है और समाज को नशा मुक्त होने की प्रेरणा मिलती है। कार्यक्रम का संचालन राष्ट्रीय सेवा योजना अधिकारी डॉ० मनोज कुमार के द्वारा किया गया। कार्यक्रम को सफल बनाने में उप प्राचार्या डॉ० शिवानी शर्मा, अमित कुमार, नरेश कुमार, अमित चौहान, गुंजन शर्मा, स्वाति शर्मा का विशेष सहयोग रहा।

हाफिजपुर पुलिस की साइबर सेल की सफलता, एपीके फाइल से हुई 75 हजार की साइबर ठगी की पूरी रकम कराई वापस

वेलकम इंडिया राजेंद्र सिंह वरिष्ठ

हापुड़। पुलिस अधीक्षक के निर्देश पर जनपद में साइबर अपराधों की रोकथाम के लिए चलाए जा रहे विशेष अभियान के तहत थाना हाफिजपुर की साइबर सेल ने त्वरित कार्रवाई करते हुए साइबर ठगी के एक पीड़ित को बड़ी राहत दिलाई है। जानकारी के अनुसार, साइबर अपराधियों ने व्हाट्सएप पर एपीके फाइल भेजकर पीड़ित के मोबाइल फोन को हैक कर लिया था। इसके बाद पीड़ित के खाते से 75,000 रुपये की धोखाधड़ी कर ली गई।मामले की शिकायत मिलते ही थाना हाफिजपुर की साइबर सेल ने तत्परता से कार्रवाई करते हुए संबंधित एजेंसियों एवं बैंक से समन्वय स्थापित किया। प्रभावी प्रयासों के परिणामस्वरूप पीड़ित की 75,000 रुपये की पूरी (शत-प्रतिशत) राशि वापस करा दी गई।थाना प्रभारी अरविंद चौधरी ने बताया कि साइबर अपराध से बचाव के लिए किसी भी अनजान व्यक्ति द्वारा भेजी गई एपीके फाइल, संदिग्ध लिंक या अज्ञात ऐप को डाउनलोड न करें। किसी भी प्रकार की साइबर ठगी होने पर तत्काल 1930 साइबर हेल्पलाइन या www.cybercrime.gov.in पर शिकायत दर्ज कराएं, ताकि समय रहते कार्रवाई कर पीड़ित की धनराशि सुरक्षित कराई जा सके। हाफिजपुर पुलिस की इस त्वरित कार्रवाई की स्थानीय लोगों ने सराहना की है।

जेएमएस ग्रुप में बीबीए ओरिएंटेशन-इंडक्शन 2026 का शुभारंभ, डॉ. नीरज सिंघल ने छात्रों को दिए सफल करियर के मंत्र

वेलकम इंडिया राजेंद्र सिंह वरिष्ठ

हापुड़। जेएमएस ग्रुप ऑफ इंस्टीट्यूशंस, हापुड़ में बीबीए कार्यक्रम के नवप्रवेशित छात्र-छात्राओं के लिए सात दिवसीय ओरिएंटेशन कम इंडक्शन 2K26 कार्यक्रम का भव्य शुभारंभ बुधवार को हुआ। कार्यक्रम का उद्घाटन सर छोटू राम इंस्टीट्यूट ऑफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी, चौधरी चरण सिंह विश्वविद्यालय, मेरठ के निदेशक प्रो. डॉ. नीरज सिंघल ने मां सरस्वती के समक्ष दीप प्रज्ज्वलित कर किया।इस अवसर पर जेएमएस ग्रुप के सचिव डॉ. रोहन सिंघल, मैनेजिंग डायरेक्टर डॉ. आयुष सिंघल, महानिदेशक प्रो. डॉ. सुभाष गौतम, जेएमएस वर्ल्ड स्कूल की प्रधानाचार्य डॉ. निधि मलिक तथा जेएमएस ग्रुप के प्राचार्य डॉ. धीरज सैनी सहित संस्थान के शिक्षक एवं छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे।सचिव डॉ. रोहन सिंघल ने नवप्रवेशित विद्यार्थियों को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि ओरिएंटेशन कार्यक्रम छात्रों के जीवन की नई शुरूआत है, जहां उन्हें केवल अकादमिक शिक्षा ही नहीं बल्कि व्यक्तित्व विकास, नेतृत्व क्षमता और सकारात्मक सोच के साथ आगे बढ़ने का अवसर मिलेगा। उन्होंने कहा कि संस्थान भविष्य में भी विषय विशेषज्ञों के व्याख्यान एवं विभिन्न गतिविधियों के माध्यम से विद्यार्थियों के ज्ञान और कौशल को निरंतर विकसित करता रहेगा। मुख्य अतिथि एवं वक्ता प्रो. डॉ. नीरज सिंघल ने कहा कि वर्तमान प्रतिस्पर्धी दौर में केवल शैक्षणिक ज्ञान पर्याप्त नहीं है। छात्रों को व्यावहारिक सोच, नेतृत्व क्षमता, नैतिक मूल्यों तथा डिजिटल बिजनेस, ग्लोबल मार्केटिंग और अंतरराष्ट्रीय व्यापार जैसे आधुनिक विषयों की जानकारी होना आवश्यक है। उन्होंने कहा कि बीबीए पाठ्यक्रम युवाओं में उद्यमिता की भावना विकसित करता है, जिससे वे रोजगार तलाशने वाले नहीं बल्कि रोजगार सृजित करने वाले बन सकते हैं।संस्थान के महानिदेशक प्रो. डॉ. सुभाष गौतम ने स्वागत संबोधन में कहा कि वैश्विक व्यापार का स्वरूप तेजी से बदल रहा है। ऐसे में विद्यार्थियों को डेटा एनालिटिक्स, डिजिटल मार्केटिंग, फाइनेंशियल टेक्नोलॉजी, अनुसंधान, नवाचार और सामाजिक उत्तरदायित्व जैसे क्षेत्रों में दक्षता विकसित करनी चाहिए। उन्होंने कहा कि संस्थान का उद्देश्य विद्यार्थियों को 21वीं सदी की प्रबंधन एवं वाणिज्य संबंधी चुनौतियों और संभावनाओं के अनुरूप तैयार करना है।बीबीए विभाग के असिस्टेंट प्रोफेसर निमिश गोयल एवं डॉ. दीपक ने पाठ्यक्रम, सिलेबस और विश्वविद्यालय की मूल्यांकन प्रणाली की जानकारी दी। परीक्षा एवं एंटी-रैगिंग प्रभारी अंकित नगर ने संस्थान की प्रशासनिक एवं अनुशासन संबंधी व्यवस्थाओं से विद्यार्थियों को अवगत कराया। वहीं ट्रेनिंग एंड प्लेसमेंट हेड पुनीत शर्मा ने संस्थान के प्लेसमेंट रिकॉर्ड और विभिन्न कंपनियों में उपलब्ध रोजगार के अवसरों पर विस्तार से प्रकाश डाला।कार्यक्रम के अंत में प्राचार्य डॉ. धीरज सैनी ने सभी अतिथियों का आभार व्यक्त किया। कार्यक्रम का संचालन स्वेता वर्मा ने किया। कार्यक्रम को सफल बनाने में प्रशासनिक अधिकारी पवन शर्मा, सांस्कृतिक समिति की अध्यक्ष अंकिता शर्मा सहित संस्थान के सभी प्राचार्यों, प्राध्यापकों एवं कर्मचारियों का विशेष योगदान रहा।

सुहेलदेव भारतीय समाज पार्टी की मासिक बैठक संपन्न, ग्रामीणों ने रवि चौधरी पर जताया भरोसा

वेलकम इंडिया संवाददाता

मुरादाबाद। सुहेलदेव भारतीय समाज पार्टी की मासिक बैठक बुधवार को जिला कार्यालय, साईं हॉस्पिटल के पीछे आयोजित हुई। बैठक में बड़ी संख्या में पदाधिकारी, कार्यकर्ता, महिलाएं और ग्रामीण शामिल हुए। बैठक में सड़क, बिजली, पेयजल, शिक्षा और स्वास्थ्य जैसी समस्याओं पर चर्चा हुई। ग्रामीणों और महिलाओं ने रवि चौधरी पर भरोसा जताते हुए क्षेत्र के विकास की उम्मीद व्यक्त की। मंत्री प्रतिनिधि एवं 27 विधानसभा प्रभारी रवि चौधरी ने कहा कि पार्टी जनसमस्याओं को शासन-प्रशासन तक पहुंचाकर उनके समाधान के लिए लगातार प्रयास कर रही है। उन्होंने संगठन को बूथ स्तर तक मजबूत बनाने और अधिक से अधिक लोगों को पार्टी से जोड़ने का आह्वान किया। बैठक में विधानसभा अध्यक्ष मुशाहिद हसन, जिला मीडिया प्रभारी मोहित ठाकुर, महानगर प्रभारी अशोक सैनी सहित कई पदाधिकारी और कार्यकर्ता मौजूद रहे।

बीईओ के औचक निरीक्षण में दो विद्यालय मिले बंद, वेतन कटौती की संस्तुति, कई स्कूलों को दिए सुधार के निर्देश

वेलकम इंडिया संवाददाता

पूरनपुर/पीलीभीत। विकासखंड के विद्यालयों में शिक्षा व्यवस्था की हकीकत परखने के लिए बुधवार को खंड शिक्षा अधिकारी (बीईओ) ने कई प्राथमिक एवं कंपोजिट विद्यालयों का औचक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान दो विद्यालय निर्धारित समय पर बंद मिले, जबकि कुछ विद्यालयों में छात्र उपस्थिति और नामांकन कम पाए जाने पर संबंधित शिक्षकों को सुधार के निर्देश दिए गए। निरीक्षण के दौरान प्राथमिक विद्यालय बाइफरकेशन सुबह 7:55 बजे बंद मिला। इसे गंभीर लापरवाही मानते हुए वहां के समस्त स्टाफ के एक दिन के वेतन काटने की संस्तुति की गई। इसके बाद कंपोजिट विद्यालय नगरिया खुर्द कला भी सुबह 8:20 बजे बंद पाया गया, जहां के पूरे स्टाफ के एक दिन के वेतन कटौती की संस्तुति की गई।प्राथमिक विद्यालय भूड़ा गोरख डिब्बी में निरीक्षण के समय एक शिक्षक विलंब से पहुंचे, जिन्हें भविष्य में समय का पालन करने के लिए कड़ी चेतावनी दी गई। वहीं प्राथमिक विद्यालय मटैया लालपुर में एक शिक्षामित्र अनुपस्थित मिला, जिसके मानदेय में एक दिन की कटौती की संस्तुति की गई। कंपोजिट विद्यालय रमनगरा में समस्त शिक्षक उपस्थित मिले, लेकिन छात्र उपस्थिति काफी कम पाई गई। इस पर सभी शिक्षकों को छात्र उपस्थिति बढ़ाने के लिए प्रभावी प्रयास करने के निर्देश दिए गए। निरीक्षण के दौरान प्राथमिक विद्यालय पलिया तथा प्राथमिक विद्यालय धुरिया पलिया में छात्र नामांकन अपेक्षा से कम पाया गया। दोनों विद्यालयों के शिक्षकों को नामांकन बढ़ाने के लिए विशेष अभियान चलाने के निर्देश दिए गए।वहीं उच्च प्राथमिक विद्यालय धुरिया पलिया में छात्र एवं शिक्षक उपस्थिति संतोषजनक मिली। हालांकि विद्यालय की चहारदीवारी बरसात के कारण क्षतिग्रस्त होकर गिर गई है। इस संबंध में मरम्मत एवं निर्माण के लिए प्रस्ताव तैयार कर भेजने के निर्देश दिए गए।खंड शिक्षा अधिकारी ने स्पष्ट किया कि विद्यालयों में समयपालन, नियमित उपस्थिति और गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के साथ-साथ छात्र नामांकन एवं उपस्थिति बढ़ाना प्राथमिकता है। लापरवाही बरतने वाले कर्मचारियों के विरुद्ध आगे भी कार्रवाई जारी रहेगी।

अडींग में संदिग्ध परिस्थितियों में विवाहिता की मौत, परिजनों ने कार्रवाई से किया इनकार

वेलकम इंडिया संवाददाता

मथुरा/गोवर्धन। थाना क्षेत्र के गांव अडींग में एक विवाहिता की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई। सूचना मिलने पर पुलिस ने मौके पर पहुंचकर आवश्यक पंचनामा की कार्रवाई की। हालांकि मृतका के परिजनों ने किसी भी प्रकार की कानूनी कार्रवाई कराने से इनकार कर दिया, जिसके बाद शव का अंतिम संस्कार कर दिया गया। मृतका की पहचान ओमवती (लगभग 25 वर्ष), पुत्री भूदेव, निवासी अडींग, के रूप में हुई है। उसकी शादी करीब तीन वर्ष पूर्व जलेश्वर निवासी टीटू के साथ कोर्ट मैरिज के माध्यम से हुई थी। जानकारी के अनुसार, मंगलवार शाम करीब सात बजे पति टीटू ओमवती को अडींग स्थित बैंक के पास छोड़कर चला गया। उस समय उसकी हालत गंभीर थी। परिजन उसे तत्काल सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र गोवर्धन लेकर पहुंचे, जहां प्राथमिक उपचार के बाद चिकित्सकों ने उसे जिला अस्पताल रेफर कर दिया। जिला अस्पताल पहुंचने पर चिकित्सकों ने जांच के बाद उसे मृत घोषित कर दिया।

मृतका के पिता भूदेव ने बताया कि उनकी बेटी की तबीयत बिगड़ने की सूचना मिलने पर उसे अस्पताल ले जाया गया, लेकिन डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। उन्होंने कहा कि परिवार किसी प्रकार की शिकायत या कानूनी कार्रवाई नहीं करना चाहता और आपसी सहमति से अंतिम संस्कार कर दिया गया। अडींग चौकी प्रभारी प्रदीप भदौरिया ने बताया कि सूचना मिलने पर पुलिस ने मौके पर पहुंचकर नियमानुसार पंचनामा की कार्रवाई कराई। मृतका के परिजनों ने लिखित रूप से किसी भी प्रकार की कानूनी कार्रवाई कराने से इनकार किया है, इसलिए शव का अंतिम संस्कार करा दिया गया। फिलहाल पुलिस को कोई तहरीर प्राप्त नहीं हुई है।

सावन में शिवलिंग ले जाते युवक को पकड़कर पुलिस के हवाले

वेलकम इंडिया संवाददाता

पूरनपुर/पीलीभीत। कोतवाली क्षेत्र के गांव शेरपुर कला में सावन माह के दौरान मंगलवार देर रात एक ऐसी घटना सामने आई, जिसने कुछ समय के लिए ग्रामीणों की चिंता बढ़ा दी। हालांकि स्थानीय लोगों की सतर्कता और पुलिस की त्वरित कार्रवाई से मामला शांतिपूर्ण ढंग से सुलझ गया तथा किसी प्रकार का सांप्रदायिक तनाव नहीं होने दिया गया। जानकारी के अनुसार मंगलवार रात करीब 10:30 बजे गांव के मोहल्ला स्थित शिव मंदिर से एक युवक कथित रूप से शिवलिंग ले जाता हुआ दिखाई दिया। मंदिर के पास मौजूद मुस्लिम समुदाय के लोगों को युवक की गतिविधि संदिग्ध लगी तो उन्होंने उसे रोक लिया और तत्काल पुलिस को सूचना दे दी। सूचना मिलते ही कोतवाली पुलिस मौके पर पहुंची और युवक को हिरासत में लेकर पूछताछ शुरू कर दी। पुलिस के अनुसार पकड़े गए युवक की पहचान गांव निवासी मदनलाल पुत्र मैकूलाल (35 वर्ष) के रूप में हुई है। ग्रामीणों का आरोप है कि इससे पहले भी वह मंदिर से नंदी की प्रतिमा ले गया था। उनका कहना है कि यदि समय रहते युवक को नहीं रोका जाता तो धार्मिक भावनाएं आहत हो सकती थीं और गांव का आपसी सौहार्द प्रभावित होने की आशंका थी।घटना के बाद पुलिस ने शिवलिंग एवं नंदी की प्रतिमा को अपने कब्जे में लेकर उसी रात मंदिर में पुनः स्थापित करा दिया। इसके बाद गांव में स्थिति पूरी तरह सामान्य रही। पुलिस अब यह पता लगाने में जुटी है कि युवक का उद्देश्य क्या था और उपलब्ध साक्ष्यों के आधार पर उसके विरुद्ध कौन-सी विधिक कार्रवाई की जाएगी।ग्रामीणों का कहना है कि आरोपी नशे का आदी है और उसकी मानसिक स्थिति भी सामान्य नहीं बताई जाती।

जनेश्वर मिश्र जयंती समारोह में शामिल हुए महेश चंद्र शर्मा 'गोल्डी भैया'

अखिलेश यादव का अंगवस्त्र पहनाकर किया सम्मान, समर्थकों संग कार्यक्रम में रहे शामिल

वेलकम इंडिया संवाददाता

मथुरा/गोवर्धन। लखनऊ स्थित समाजवादी पार्टी के प्रदेश कार्यालय में समाजवादी विचारधारा के प्रमुख स्तंभ एवं 'छोटे लोहिया' के नाम से विख्यात स्वर्गीय जनेश्वर मिश्र की जयंती पर भव्य कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में ब्राह्मण समाज सहित बड़ी संख्या में पार्टी पदाधिकारी, कार्यकर्ता और समर्थक उपस्थित रहे।कार्यक्रम को संबोधित करते हुए समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने कहा कि सुदामा और कृष्ण की मित्रता सदियों पुरानी है तथा पीडीए में पंडित भी शामिल हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि भाजपा सरकार के कार्यकाल में ब्राह्मण समाज की उपेक्षा हुई है। साथ ही उन्होंने कहा कि जनेश्वर मिश्र की जयंती जनेश्वर मिश्र पार्क में आयोजित करने की अनुमति भी नहीं दी गई। उन्होंने विश्वास जताया कि समाजवादी पार्टी सभी वर्गों को साथ लेकर चलने में विश्वास रखती है और आगामी समय में जनता के सहयोग से उत्तर प्रदेश में सरकार बनाएगी। उन्होंने ब्राह्मण समाज को सम्मान और उचित भागीदारी देने की भी बात कही। कार्यक्रम में वरिष्ठ समाजवादी नेता माता प्रसाद पाण्डेय, सनातन पाण्डेय, पवन पाण्डेय एवं पूजा शुक्ला ने भी अपने विचार व्यक्त किए और जनेश्वर मिश्र के व्यक्तित्व एवं कृतित्व को याद किया। इस अवसर पर समाजवादी पार्टी के नेता महेश चंद्र शर्मा 'गोल्डी भैया' ने अपने समर्थकों एवं गोवर्धन विधानसभा क्षेत्र के सम्मानित लोगों के साथ कार्यक्रम में सहभागिता की। उन्होंने राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव को अंगवस्त्र पहनाकर सम्मानित किया तथा स्वर्गीय जनेश्वर मिश्र का चित्र भेंट कर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की। कार्यक्रम के दौरान अखिलेश यादव ने महेश चंद्र शर्मा 'गोल्डी भैया' को मंच पर सम्मानपूर्वक स्थान दिया। इससे उनके समर्थकों में विशेष उत्साह देखने को मिला। समारोह का समापन समाजवादी विचारधारा को आगे बढ़ाने और संगठन को मजबूत बनाने के संकल्प के साथ हुआ।

पोस्टर व रंगोली प्रतियोगिता के माध्यम से बेटी बचाओ- बेटी पढ़ाओ का दिया संदेश

वेलकम इंडिया पीलीभीत

पीलीभीत। जिलाधिकारी एवं जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के निदेशानुसार महिला कल्याण विभाग द्वारा गणेशपुर गौटिया में बेटी बचाओ–बेटी पढ़ाओ योजना के अंतर्गत पोस्टर एवं रंगोली प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में छात्राओं ने उत्साहपूर्वक भाग लेकर बेटी शिक्षा और महिला सशक्तिकरण का संदेश दिया।इस अवसर पर जिला मिशन कोऑर्डिनेटर सुवर्णा पांडे ने प्रतियोगिता में प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय स्थान प्राप्त करने वाली छात्राओं को एजुकेशनल किट वितरित कर सम्मानित किया। उन्होंने छात्राओं को महिला सशक्तिकरण, शिक्षा के महत्व तथा उनके अधिकारों की जानकारी भी दी।जेंडर स्पेशलिस्ट जयश्री सिंह ने बच्चों को चाइल्ड हेल्पलाइन 1098, कन्या सुमंगला योजना, बाल सेवा योजना तथा गुड टच–बैड टच के बारे में विस्तार से जानकारी देकर जागरूक किया। विद्यालय की प्रधानाचार्या रजनी ने छात्र–छात्राओं को शिक्षा का महत्व बताते हुए उन्हें जीवन में आगे बढ़ने के लिए निरंतर अध्ययन करने के लिए प्रेरित किया। कार्यक्रम में विद्यालय का समस्त स्टाफ उपस्थित रहा।

उपजिलाधिकारी सुशील कुमार सिंह ने किया गोवर्धन क्षेत्र की सभी गौशालाओं का निरीक्षण, व्यवस्थाएं सुधारने के दिए निर्देश

वेलकम इंडिया संवाददाता

मथुरा/गोवर्धन। शासन के निदेशों के क्रम में गोवर्धन क्षेत्र की सभी गौशालाओं का बुधवार को प्रशासनिक अधिकारियों ने निरीक्षण कर व्यवस्थाओं का जायजा लिया। निरीक्षण के दौरान गौवंश के रखरखाव, चारा-पानी, साफ-सफाई एवं अन्य मूलभूत सुविधाओं की स्थिति का अवलोकन किया गया। एसडीएम सुशील कुमार सिंह ने पैठा एवं सौख गौशालाओं का निरीक्षण किया। वहीं न्यायिक एसडीएम संजय सिंह ने यमुनावता और बोरपा गौशालाओं का निरीक्षण किया। तहसीलदार ब्रजेश कुमार ने भरना कला और सहार गौशालाओं का जायजा लिया। इसके अलावा अन्य अधिकारियों ने भी गोवर्धन क्षेत्र की शेष गौशालाओं का निरीक्षण कर व्यवस्थाओं की समीक्षा की। निरीक्षण के दौरान अधिकांश गौशालाओं में व्यवस्थाएं संतोषजनक मिलीं, जबकि कुछ स्थानों पर अत्यधिक कीचड़ की समस्या पाई गई। अधिकारियों ने संबंधित गौशाला संचालकों को तत्काल कीचड़ हटवाकर साफ-सफाई सुनिश्चित करने तथा गौवंश के लिए बेहतर वातावरण उपलब्ध कराने के निर्देश दिए। साथ ही पशुओं को समय पर पर्याप्त चारा एवं स्वच्छ पेयजल उपलब्ध कराने और नियमित साफ-सफाई बनाए रखने के भी निर्देश दिए गए। एसडीएम सुशील कुमार सिंह ने कहा कि शासन की मंशा के अनुरूप गौवंश संरक्षण प्रशासन की सर्वोच्च प्राथमिकताओं में शामिल है। उन्होंने कहा, ₹गौशालाओं का नियमित निरीक्षण कराया जा रहा है ताकि व्यवस्थाओं की वास्तविक स्थिति का आकलन किया जा सके। जहां भी कोई कमी मिल रही है, उसे तत्काल दूर कराने के निर्देश दिए जा रहे हैं। गौवंश की देखभाल में किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी और सभी गौशालाओं में बेहतर व्यवस्थाएं सुनिश्चित कराई जाएंगी।

सावन महापर्व पर सतेन्द्र मौर्य ने किया कांवड़ियों का भव्य स्वागत, फूल-मालाओं से किया सम्मानित

वेलकम इंडिया संवाददाता

पीलीभीत। पीलीभीत के विकासखंड ललौरीखेड़ा में समाजवादी पार्टी पिछड़ा वर्ग प्रकोष्ठ के प्रदेश सचिव सतेन्द्र मौर्य ने हरिद्वार जल लेने जा रहे कांवड़ियों का फूल- मालाओं से भव्य स्वागत कर उनका सम्मान किया। इस दौरान उन्होंने कांवड़ यात्रा को आस्था, सेवा और सामाजिक सौहार्द का प्रतीक बताते हुए सभी श्रद्धालुओं की मंगलमय यात्रा की कामना की। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में कांवड़ियों का स्वागत किया गया। सतेन्द्र मौर्य ने श्रद्धालुओं को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि सावन का महीना भगवान शिव की आराधना का विशेष पर्व है और कांवड़ यात्रा हमारी धार्मिक एवं सांस्कृतिक परंपराओं की पहचान है। उन्होंने कहा कि समाज के प्रत्येक व्यक्ति का दायित्व है कि वह कांवड़ियों की सेवा और सहयोग में अपनी सहभागिता निभाए। ललौरीखेड़ा ब्लॉक क्षेत्र से कांवड़ियों का जत्था हरिद्वार के लिए रवाना हुआ। वहां से पवित्र गंगाजल लेकर श्रद्धालु गौरी शंकर मंदिर पहुंचेंगे, जहां भगवान शिव का जलाभिषेक किया जाएगा। इस अवसर पर पूरे क्षेत्र में धार्मिक उत्साह और भक्ति का माहौल देखने को मिला। कार्यक्रम में गांव के प्रमुख लोगों ने भी भाग लिया। श्री महंत दीनदयाल, पवन कुमार, बबलू सागर सहित अन्य गणमान्य लोगों ने कांवड़ियों का उत्साहवर्धन किया।

करोड़ों की सड़क कुछ दिनों में हुई छलनी, सोशल मीडिया पर वायरल हुआ वीडियो

वेलकम इंडिया संवाददाता

पूरनपुर/पीलीभीत। पूरनपुर से जंगल मार्ग तक लगभग 35 करोड़ रुपये की लागत से तैयार कराई गई सड़क निर्माण परियोजना की गुणवत्ता पर सवाल उठने लगे हैं। सड़क का निर्माण कार्य पूरा हुए अभी कुछ ही दिन हुए हैं, लेकिन मार्ग पर जगह-जगह सैकड़ों गड्ढे दिखाई देने लगे हैं। आरोप है कि इन गड्ढों की मरम्मत के नाम पर डामर या मानक सामग्री की बजाय केवल मिट्टी डालकर खानापूर्ति की जा रही है, जिससे निर्माण कार्य की गुणवत्ता पर गंभीर सवाल खड़े हो गए हैं।स्थानीय निवासी एवं सामाजिक कार्यकर्ता सलमान खान ने इस मामले का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल करते हुए निर्माण कार्य में भारी अनियमितताओं का आरोप लगाया है। वायरल वीडियो में सड़क पर बने गड्ढों को मिट्टी से भरते हुए दिखाया गया है। सलमान खान का आरोप है कि करोड़ों रुपये की लागत से बनी सड़क इतनी जल्दी क्षतिग्रस्त होना निर्माण कार्य में लापरवाही और गुणवत्ता से समझौता किए जाने का प्रमाण है। उन्होंने संबंधित ठेकेदार पर गंभीर आरोप लगाते हुए कहा कि सड़क निर्माण में मानकों का पालन नहीं किया गया। यदि समय रहते निष्पक्ष जांच नहीं कराई गई तो यह सड़क बरसात के मौसम में पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो सकती है, जिससे आम लोगों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ेगा।ग्रामीणों और राहगीरों ने भी सड़क की गुणवत्ता पर सवाल उठाते हुए विभाग से उच्चस्तरीय जांच कराने और दोषी अधिकारियों व ठेकेदार के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की है। उनका कहना है कि जनता के टैक्स के करोड़ों रुपये खर्च होने के बावजूद सड़क कुछ ही दिनों में खराब होना बेहद चिंताजनक है। हालांकि, इस मामले में संबंधित निर्माण एजेंसी या लोक निर्माण विभाग के अधिकारियों की ओर से अभी तक कोई आधिकारिक बयान सामने नहीं आया है। यदि वायरल वीडियो और लगाए गए आरोप सही पाए जाते हैं, तो यह मामला सरकारी निर्माण कार्यों में गुणवत्ता और निगरानी व्यवस्था पर बड़ा सवाल खड़ा कर सकता है। अब लोगों की निगाहें प्रशासन की कार्रवाई और जांच पर टिकी हैं।

पूरनपुर में राजकुमार राजू का ताबड़तोड़ जनसंपर्क, पीड़ितों का दर्द बांटते हुए सुन रहे जनता की समस्याएं

वेलकम इंडिया संवाददाता

पूरनपुर/पीलीभीत। विधानसभा क्षेत्र पूरनपुर में समाजवादी पार्टी के सक्रिय नेता राजकुमार राजू लगातार क्षेत्र के गांवों का दौरा कर ग्रामीणों से संवाद स्थापित कर रहे हैं। एक ओर वह क्षेत्र में हुई दुखद घटनाओं से प्रभावित परिवारों के बीच पहुंचकर उनके दुख-दर्द में सहभागी बन रहे हैं, वहीं दूसरी ओर गांव-गांव जाकर समाजवादी पार्टी की नीतियों और विचारधारा से ग्रामीणों को अवगत करा रहे हैं। उनकी लगातार सक्रियता को आगामी राजनीतिक गतिविधियों से जोड़कर भी देखा जा रहा है।हाल ही में राजकुमार राजू ने विधानसभा क्षेत्र में हुई विभिन्न दुखद घटनाओं से प्रभावित परिवारों से मुलाकात की और शोकाकुल परिजनों का दुख साझा किया। उन्होंने कहा कि किसी भी परिवार पर जब दुख का पहाड़ टूटता है, तो ऐसे समय में उनके साथ खड़ा होना केवल राजनीति नहीं, बल्कि सामाजिक और मानवीय जिम्मेदारी है। उन्होंने दिवंगत आत्माओं की शांति के लिए प्रार्थना करते हुए शोकाकुल परिजनों को यह दुख सहन करने की शक्ति देने की ईश्वर से कामना की। राजकुमार राजू का कहना है कि समाजवादी पार्टी हमेशा गरीब, किसान, मजदूर, युवा और आम जनता की आवाज को मजबूती से उठाती रही है। इसी उद्देश्य को लेकर वह लगातार ग्रामीण क्षेत्रों में पहुंच रहे हैं और लोगों से सीधे संवाद कर रहे हैं। गांवों में भ्रमण के दौरान वह ग्रामीणों की समस्याएं भी सुन रहे हैं और उनकी परेशानियों को समझने का प्रयास कर रहे हैं। ग्रामीणों से बातचीत के दौरान क्षेत्र में सड़क, बिजली, पानी, स्वास्थ्य, शिक्षा, रोजगार और किसानों से जुड़ी समस्याएं प्रमुखता से सामने आ रही हैं। राजकुमार राजू ने कहा कि जनता की समस्याओं को नजरअंदाज नहीं किया जा सकता। जनप्रतिनिधि और राजनीतिक कार्यकताओं की जिम्मेदारी है कि वे जनता के बीच रहें और उनकी आवाज को शासन-प्रशासन तक पहुंचाएं।उन्होंने कहा कि समाजवादी पार्टी की नीतियां सामाजिक न्याय, विकास और जनकल्याण पर आधारित हैं। गांव-गांव जाकर जनता से संवाद का सिलसिला लगातार जारी रहेगा। राजकुमार राजू की क्षेत्र में लगातार बढ़ती सक्रियता से राजनीतिक हलकों में भी चचाओं का दौर तेज हो गया है।

बरखेड़ा में धनपति वर्मा का जनसंपर्क अभियान तेज, ग्रामीणों से संवाद कर सरकार पर साधा निशाना

वेलकम इंडिया संवाददाता

बरखेड़ा/पीलीभीत। समाजवादी पार्टी के वरिष्ठ नेता एवं अधिवक्ता धनपति वर्मा ने बुधवार को 128 विधानसभा बरखेड़ा क्षेत्र के दर्जनभर से अधिक गांवों में व्यापक जनसंपर्क एवं भ्रमण अभियान चलाकर ग्रामीणों से सीधा संवाद किया। उन्होंने ग्राम इग्धरा, मुड़िया रामकिशन, वस्थना, सिसैया, अलकथान, भम्बापुरी, खजुराहा, बिल्हा, बिल्हा गोटिया, पौटा गौटिया, अलियापुर, विक्रमपुर भूड़ा और पृथ्वीपुर सहित कई गांवों का दौरा कर लोगों की समस्याएं सुनीं तथा समाजवादी पार्टी की नीतियों से अवगत कराया।जनसंपर्क अभियान के दौरान धनपति वर्मा एडवोकेट ने किसानों, युवाओं, महिलाओं और बुजुर्गों से मुलाकात कर उनकी समस्याओं की जानकारी ली। उन्होंने कहा कि समाजवादी पार्टी हमेशा आम जनता के हितों की आवाज उठाती रही है और आगे भी किसानों, मजदूरों, गरीबों तथा युवाओं के अधिकारों के लिए पूरी मजबूती के साथ संघर्ष करती रहेगी।उन्होंने प्रदेश सरकार पर निशाना साधते हुए कहा कि बढ़ती महंगाई, बेरोजगारी, किसानों की बदहाल स्थिति और कानून-व्यवस्था जैसे अहम मुद्दों पर सरकार पूरी तरह विफल साबित हुई है। उन्होंने आरोप लगाया कि आम जनता आज आर्थिक और सामाजिक परेशानियों से जूझ रही है, लेकिन सरकार जनहित के मुद्दों पर गंभीर नहीं है। धनपति वर्मा ने कहा कि समाजवादी पार्टी की नीतियां विकास, सामाजिक न्याय और जनकल्याण पर आधारित हैं। पार्टी का उद्देश्य हर वर्ग को सम्मान और बेहतर अवसर उपलब्ध कराना है। उन्होंने कार्यकताओं से गांव-गांव जाकर लोगों के बीच पार्टी की नीतियों और उपलब्धियों को पहुंचाने का आह्वान भी किया।जनसंपर्क के दौरान क्षेत्र के ग्रामीणों ने धनपति वर्मा एडवोकेट का गर्मजोशी से स्वागत किया और उन्हें अपनी स्थानीय समस्याओं से अवगत कराया।

पुरानी रंजिश में युवक से मारपीट, घायल ने थाने में दी गई तहरीर

कांधला। थाना क्षेत्र के गांव जसाला में पुरानी रंजिश के चलते एक युवक के साथ मारपीट का मामला सामने आया है। आरोप है कि गांव के ही एक व्यक्ति ने रास्ते में रोककर युवक के साथ मारपीट की, जिससे वह घायल हो गया। पीड़ित ने चिकित्सकीय परीक्षण कराने के बाद पुलिस को तहरीर देकर कार्रवाई की मांग की है। थाना क्षेत्र के गांव जसाला निवासी अनिल कुमार ने बताया कि गांव का एक व्यक्ति कई वर्षों से उसके परिवार से रंजिश रखता है। आरोप है कि बुधवार को वह गांव स्थित शराब के ठेके पर जा रहा था। इसी दौरान रास्ते में आरोपी ने उसे रोक लिया और पुरानी रंजिश को लेकर गाली-गलौज शुरू कर दी। विरोध करने पर आरोपी ने उसके साथ मारपीट कर दी, जिससे वह घायल हो गया। शोर-शराबा सुनकर आसपास के लोग मौके पर पहुंचे, जिसके बाद आरोपी मौके से फरार हो गया। परिजनों ने घायल को उपचार के लिए अस्पताल पहुंचाया।

राज्य में संस्कृत आयोग के गठन की कार्यवाही शुरू कर दी गई है: दीपक कुमार सचिव संस्कृत शिक्षा

वेलकम इंडिया संवाददाता

देहरादून। सचिव, संस्कृत शिक्षा, दीपक कुमार ने नई दिल्ली में इंडोनेशिया गणराज्य के दूतावास में कार्यवाहक राजदूत युधो सासोंगको से शिष्टाचार भेंट की। इस दौरान संस्कृत तथा भारतीय ज्ञान परम्परा के वैश्विक प्रसार हेतु उत्तराखण्ड और इंडोनेशिया के मध्य शैक्षणिक एवं सांस्कृतिक सहयोग को सुदृढ़ करने पर विस्तार से चर्चा की गई। उन्होंने उत्तराखण्ड सरकार द्वारा संस्कृत को अपनी द्वितीय राजभाषा का दर्जा प्रदान करने, संस्कृत के संवर्धन एवं प्रचार के लिए किए जा रहे अभिनव प्रयासों की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि मुख्यमंत्री श्री पुष्कर सिंह धामी स्वयं देववाणी संस्कृत को वैश्विक स्तर पर पहचान दिलाने के लिए प्रयासरत है। उन्होंने बताया कि प्रदेश में मुख्यमंत्री श्री पुष्कर सिंह धामी के मार्गदर्शन में विश्व की सबसे प्राचीन एवं प्रभावशाली भाषा संस्कृत अब भारत की सीमाओं से आगे बढ़कर वैश्विक शिक्षाविदों के बीच अपनी सशक्त उपस्थिति दर्ज करा रही है तथा अंतरराष्ट्रीय स्तर पर इसकी प्रतिष्ठा निरंतर बढ़ रही है। राज्य के प्रत्येक जनपद में एक-एक संस्कृत ग्राम की स्थापना की गई है। मात्र एक वर्ष की अल्प अवधि में इन संस्कृत ग्रामों ने, स्थानीय समुदायों में संस्कृत सीखने तथा भारत की दार्शनिक, सांस्कृतिक एवं सभ्यतागत विरासत से पुनः जुड़ने में उल्लेखनीय पहल की है। सचिव ने बताया कि राज्य में संस्कृत आयोग के गठन की कार्यवाही शुरू कर दी गई है। इस संबंध में देशभर से सुझाव आमंत्रित किए गए हैं, जिन्हें विश्व संस्कृत दिवस से पूर्व 10 अगस्त तक उत्तराखण्ड संस्कृत विश्वविद्यालय को प्रेषित किए जाने की योजना है। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि इंडोनेशिया के शैक्षणिक एवं सांस्कृतिक संस्थानों के साथ सहयोग स्थापित होने से संस्कृत एवं भारतीय ज्ञान परम्परा का व्यापक प्रसार होगा तथा दोनों देशों के युवा अपनी साझा सांस्कृतिक विरासत, नैतिक मूल्यों और प्राचीन सभ्यतागत संबंधों को और अधिक गहराई से समझ सकेंगे। उन्होंने बताया कि इंडोनेशियाई भाषा में संस्कृत मूल के अनेक शब्द आज भी प्रचलित हैं, जो दोनों देशों के बीच सदियों पुराने सांस्कृतिक एवं सभ्यतागत संबंधों का सशक्त प्रमाण हैं। विगत माह प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी की इंडोनेशिया यात्रा के दौरान इंडोनेशिया के राष्ट्रपति श्री प्रबोवो सुबियांतो ने उल्लेख किया था कि इंडोनेशियाई भाषा का लगभग 50 प्रतिशत भाग संस्कृत से प्रभावित है। यह तथ्य भारत और इंडोनेशिया के बीच विद्यमान गहरे सांस्कृतिक संबंधों का सशक्त प्रतीक है।

सचिव ने प्रस्ताव रखा कि इंडोनेशिया गणराज्य के दूतावास के सहयोग से हरिद्वार स्थित उत्तराखण्ड संस्कृत विश्वविद्यालय एवं उत्तराखण्ड संस्कृत संस्थानम, इंडोनेशिया के विश्वविद्यालयों एवं अन्य शैक्षणिक संस्थानों के साथ संस्कृत, भारतीय ज्ञान प्रणाली तथा सांस्कृतिक अध्ययन के क्षेत्र में सहयोग हेतु समझौता ज्ञापन संपादित कर सकता है।

संस्कृत शिक्षा सचिव ने नेपाल के कार्यवाहक राजदूत से भेंट की

वेलकम इंडिया संवाददाता

देहरादून। प्रदेश के संस्कृत शिक्षा सचिव श्री दीपक कुमार ने नई दिल्ली स्थित नेपाल दूतावास में नेपाल के कार्यवाहक राजदूत महामहिम डॉ. सुरेन्द्र थापा से शिष्टाचार भेंट की। इस दौरान संस्कृत के बढ़ते वैश्विक महत्व को रेखांकित करते हुए भारत और नेपाल के मध्य गहन शैक्षणिक सहयोग की आवश्यकता पर बल दिया गया, ताकि संस्कृत के क्षेत्र में अनुसंधान, विद्वत्ता तथा शैक्षिक अवसरों को नई गति प्रदान की जा सके।

सचिव, संस्कृत शिक्षा ने बताया कि इस दौरान नेपाल के कार्यवाहक राजदूत महामहिम डॉ. सुरेन्द्र थापा ने संस्कृत के संवर्धन हेतु किए जा रहे प्रयासों की सराहना करते हुए कहा कि नेपाल की संस्कृत विद्वत्ता और साहित्यिक परंपरा अत्यंत समृद्ध रही है। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि दोनों देशों के मध्य शैक्षणिक सहयोग शिक्षण पद्धतियों के आदान-प्रदान तथा भारतीय संस्कृत विद्वानों के सतत मार्गदर्शन से नेपाल में संस्कृत शिक्षा एवं अनुसंधान को नई गति मिलेगी तथा इसे वैश्विक स्तर पर और अधिक प्रतिष्ठा प्राप्त होगी।

दीपक कुमार ने कहा कि उत्तराखण्ड संस्कृत विश्वविद्यालय एवं नेपाल संस्कृत विश्वविद्यालय के मध्य होने वाला समझौता ज्ञापन शैक्षणिक आदान-प्रदान, संयुक्त अनुसंधान, शिक्षक एवं छात्र सहयोग तथा संस्कृत अध्ययन के संवर्धन के लिए नए अवसर प्रदान करेगा। इस अवसर पर दिल्ली विश्वविद्यालय के हिन्दू कॉलेज के संस्कृत विभाग के सहायक आचार्य एवं वरिष्ठ संस्कृत पत्रकार डॉ. सुनील जोशी भी उपस्थित रहे। बैठक में दोनों देशों के युवा शोधार्थियों एवं विद्वानों को संयुक्त शोध परियोजनाओं, शैक्षणिक आदान-प्रदान तथा संयुक्त प्रकाशनों के लिए प्रोत्साहित करने पर भी विस्तार से चर्चा हुई. जिससे भारत-नेपाल के सांस्कृतिक एवं शैक्षणिक संबंधों को और अधिक सुदृढ़ बनाया जा सके।

वर्षों का इंतजार खत्म, सीएचसी में शुरू हुई एक्स-रे सुविधा, 50 मरीजों की जांच

कांधला (वेलकम इंडिया)। नगर एवं क्षेत्र के लोगों के लिए वर्षों बाद बड़ी राहत की खबर सामने आई है। नगर कें सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में लंबे इंतजार के बाद आखिरकार एक्स–रे मशीन का संचालन शुरू हो गया। सुविधा शुरू होने के पहले ही दिन करीब 50 मरीजों ने अस्पताल पहुंचकर एक्स–रे जांच कराई। इससे अब मरीजों को मामूली जांच के लिए शामली या निजी अस्पतालों के चक्कर नहीं लगाने पड़ेंगे। नगर की सीएचसी में एक्स–रे की सुविधा उपलब्ध न होने के कारण मरीजों को जांच कराने के लिए जिला अस्पताल शामली या निजी अस्पतालों का सहारा लेना पड़ता था। इससे उन्हें आर्थिक बोझ के साथ–साथ समय की भी काफी परेशानी उठानी पड़ती थी। क्षेत्र के लोगों द्वारा लंबे समय से अस्पताल में एक्स–रे सुविधा शुरू कराने की मांग की जा रही थी।सीएचसी के चिकित्सक डॉ. वीरेंद्र सिंह ने उच्चाधिकारियों से लगातार इस सुविधा को शुरू कराने का प्रयास किया। उनके प्रयासों के बाद बुधवार से अस्पताल में एक्स–रे मशीन का संचालन शुरू कर दिया गया।एक्स–रे टेक्नीशियन राजेश कुमार ने बताया कि करीब 50 मरीजों के एक्स–रे किए गए। उन्होंने कहा कि अब अस्पताल में यह सुविधा नियमित रूप से उपलब्ध रहेगी, जिससे क्षेत्र के लोगों को जांच के लिए बाहर नहीं जाना पड़ेगा।

दुग्धशाला विकास विभाग के 50 वर्ष पूरे, 28 लाभार्थियों को मिले चयन पत्र

दुग्धशाला विकास विभाग के स्वर्ण जयंती वर्ष पर जनपद स्तरीय डेयरी कॉन्क्लेव, पशुपालकों को योजनाओं की दी जानकारी

वेलकम इंडिया संवाददाता

संतकबीरनगर। दुग्धशाला विकास विभाग के 50 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में बुधवार को विकास भवन परिसर स्थित डीपीआरसी सभागार में जनपद स्तरीय डेयरी कॉन्क्लेव-2026 का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का आयोजन दुग्ध आयुक्त उत्तर प्रदेश के निदेशानुसार तथा मंडलीय अधिकारी दुग्ध विकास बी.एम. त्यागी एवं उप दुग्धशाला विकास अधिकारी सुधाकर प्रसाद के मार्गदर्शन में किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ उपायुक्त श्रम एवं रोजगार प्रभात द्विवेदी, मुख्य पशु चिकित्सा अधिकारी डॉ. एस.के. तिवारी तथा वरिष्ठ दुग्ध निरीक्षक एवं नोडल अधिकारी सतीश कुमार ने दीप प्रज्ज्वलित कर किया। इस अवसर पर दुग्धशाला विकास विभाग की 50 वर्षों की उपलब्धियों पर प्रकाश डालते हुए डेयरी क्षेत्र के विकास और पशुपालकों के सशक्तिकरण पर विशेष चर्चा की गई। वरिष्ठ दुग्ध निरीक्षक एवं नोडल अधिकारी सतीश कुमार ने कहा कि प्रदेश सरकार ने दुग्ध विकास के क्षेत्र में लगभग एक हजार करोड़ रुपये का निवेश किया है। प्रदेश को दुग्ध उत्पादन में अग्रणी बनाए रखने के लिए प्रत्येक गांव में दुग्ध सहकारी समितियों का गठन किया जा रहा है, जिससे दुग्ध उत्पादकों को गांव में ही उनके दूध का उचित मूल्य मिल सके। उन्होंने बताया कि नंद बाबा दुग्ध मिशन के माध्यम से ग्रामीण क्षेत्रों के पशुपालकों को दुग्ध व्यवसाय से जोड़कर उनकी आय बढ़ाने का प्रयास किया जा रहा है। साथ ही दुग्ध समितियों के सुदृढ़ीकरण, तकनीकी निवेश योजना, कृषक प्रशिक्षण कार्यक्रम और अन्य विभागीय योजनाओं की विस्तृत जानकारी भी दी। राजकीय दुग्ध पर्यवेक्षक विन्दर सिंह ने आधुनिक डेयरी प्रबंधन, डेयरी प्रसंस्करण, चारा प्रबंधन तथा पशुपालकों के हित में संचालित विभिन्न योजनाओं की जानकारी देते हुए किसानों से इनका अधिकाधिक लाभ उठाने का आह्वान किया। मुख्य पशु चिकित्सा अधिकारी डॉ. एस.के. तिवारी ने पशुओं में होने वाले विभिन्न रोगों की पहचान, रोकथाम, नियंत्रण एवं समय पर टीकाकरण के महत्व पर विस्तार से जानकारी दी। वहीं उपायुक्त श्रम एवं रोजगार प्रभात द्विवेदी ने उपस्थित अधिकारियों, कर्मचारियों, पशुपालकों और किसानों को विभाग के स्वर्ण जयंती वर्ष की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि सरकार की योजनाओं का लाभ लेकर डेयरी व्यवसाय को मजबूत बनाया जा सकता है तथा अन्य किसानों को भी इसके प्रति जागरूक करना चाहिए। कार्यक्रम के दौरान मुख्यमंत्री स्वदेशी गो-संवर्धन योजना के अंतर्गत ई-लॉटरी के माध्यम से चयनित 14 महिला एवं 14 पुरुष लाभार्थियों को चयन पत्र भी वितरित किए गए। इस अवसर पर डीडीएम नाबार्ड मनीष कुमार, भूमि संरक्षण अधिकारी, नंद बाबा दुग्ध मिशन के डाटा ऑपरेटर प्रदीप शर्मा सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी, कर्मचारी, पशुपालक एवं किसान बड़ी संख्या में उपस्थित रहे।

सदन में पूर्व विधायक अफसर यू. अहमद को दी गई श्रद्धांजलि

अफसर यू. अहमद का योगदान सदैव रहेगा स्मरणीय : सीएम

वेलकम इंडिया संवाददाता

संतकबीरनगर। गत दिवस उत्तर प्रदेश विधान सभा में संतकबीरनगर जनपद के सेमरियावां निवासी एवं मेहदावल के पूर्व विधायक अफसर यू. अहमद को श्रद्धांजलि अर्पित की गई। सदन में उनके निधन पर शोक व्यक्त करते हुए उनके जीवन और विकास कार्य में दिए गए योगदान को याद किया गया।

कांग्रेस नेता दिलशाद अफसर ने बताया कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सदन में कहा कि वर्ष 1985 में अफसर यू. अहमद मेंहदावल विधानसभा क्षेत्र से विधायक निर्वाचित हुए थे। उन्होंने अपने निर्वाचन क्षेत्र के विकास के साथ-साथ प्रदेश की नीतियों के निर्माण एवं जनहित के कार्यों में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सदन में अपनी पार्टी तथा पूरे सदन की ओर से शोक प्रस्ताव प्रस्तुत करते हुए दिवंगत पूर्व विधायक को भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की। उन्होंने कहा कि अफसर यू. अहमद का योगदान सदैव स्मरणीय रहेगा। मुख्यमंत्री ने शोक-संतप्त परिजनों के प्रति गहरी संवेदना व्यक्त करते हुए सदन की भावनाएं उनके परिवार तक पहुंचाने का आग्रह किया। साथ ही, दिवंगत आत्मा की शांति के लिए ईश्वर से प्रार्थना की।

हर घर तिरंगा एवं तिरंगा यात्रा अभियान को लेकर भाजपा संत कबीर नगर की कार्यशाला सम्पन्न, राष्ट्रभक्ति का संदेश जन-जन तक पहुँचाने का आह्वान

वेलकम इंडिया संवाददाता

संतकबीरनगर। आगामी स्वतंत्रता दिवस के उपलक्ष्य में भारतीय जनता पार्टी द्वारा चलाए जा रहे 'हर घर तिरंगा' एवं 'तिरंगा यात्रा' अभियान को सफल बनाने के उद्देश्य से बुधवार को भाजपा जिला कार्यालय, संत कबीर नगर में एक महत्वपूर्ण कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला में जिले के सभी पदाधिकारी, मंडल अध्यक्ष, मोर्चा पदाधिकारी, जनप्रतिनिधि, अभियान के संयोजक एवं सह-संयोजक तथा बड़ी संख्या में कार्यकताओं ने भाग लिया।कार्यक्रम के मुख्य अतिथि भाजपा के जिला प्रभारी अजय सिंह गौतम रहे, जबकि कार्यक्रम की अध्यक्षता भाजपा जिला अध्यक्ष श्रीमती नीतू सिंह ने की। अभियान के जिला संयोजक अमर राय ने कार्यशाला की भूमिका प्रस्तुत करते हुए बताया कि ₹हर घर तिरंगा₹ एवं 'तिरंगा यात्रा' अभियान के माध्यम से जिले के प्रत्येक घर, गांव, नगर, वार्ड एवं बूथ स्तर तक राष्ट्रीय ध्वज के सम्मान और राष्ट्रभक्ति की भावना को जन-जन तक पहुँचाया जाएगा। उन्होंने अभियान की रूपरेखा, कार्यकताओं की जिम्मेदारियों तथा विभिन्न कार्यक्रमों की विस्तृत जानकारी देते हुए सभी से सक्रिय सहभागिता की अपील की। मुख्य अतिथि अजय सिंह गौतम ने अपने संबोधन में कहा कि राष्ट्रीय ध्वज भारत की एकता, अखंडता, गौरव और आत्मसम्मान का प्रतीक है। उन्होंने कहा कि 'हर घर तिरंगा' अभियान प्रत्येक नागरिक को राष्ट्र के प्रति अपने कर्तव्यों का स्मरण कराता है। उन्होंने कार्यकताओं से आह्वान किया कि वे घर-घर जाकर लोगों को तिरंगा फहराने के लिए प्रेरित करें तथा अभियान को जनभागीदारी का उत्सव बनाएं। उन्होंने कहा कि तिरंगा यात्रा के माध्यम से युवाओं, महिलाओं, विद्यार्थियों एवं समाज के सभी वर्गों को जोड़ते हुए राष्ट्रभक्ति का वातावरण तैयार किया जाएगा।कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रही जिला अध्यक्ष श्रीमती नीतू सिंह ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी हमेशा राष्ट्र प्रथम की भावना के साथ कार्य करती रही है। उन्होंने कहा कि जिले का प्रत्येक कार्यकर्ता इस अभियान को पूरी निष्ठा, अनुशासन एवं उत्साह के साथ सफल बनाएगा। उन्होंने सभी मंडलों, शक्ति केंद्रों एवं बूथ समितियों को समयबद्ध कार्यक्रम आयोजित करने तथा अधिक से अधिक परिवारों तक तिरंगा पहुँचाने का आह्वान किया। कार्यशाला के दौरान अभियान की कार्ययोजना, तिरंगा वितरण, तिरंगा यात्रा के आयोजन, जनसंपर्क अभियान, सोशल मीडिया प्रचार-प्रसार तथा बूथ स्तर पर होने वाले कार्यक्रमों की विस्तार से समीक्षा की गई। साथ ही सभी कार्यकताओं से राष्ट्रीय ध्वज के सम्मान एवं भारतीय ध्वज संहिता का पालन करते हुए अभियान संचालित करने का आग्रह किया गया। बैठक में उपस्थित कार्यकताओं ने संकल्प लिया कि स्वतंत्रता दिवस से पूर्व जिले के प्रत्येक बूथ, गांव, नगर एवं वार्ड में व्यापक जनसंपर्क कर अधिक से अधिक लोगों को ₹हर घर तिरंगा₹ अभियान से जोड़ा जाएगा तथा भव्य तिरंगा यात्राओं के माध्यम से राष्ट्रप्रेम और राष्ट्रीय एकता का संदेश जन-जन तक पहुँचाया जाएगा।

प्रतापगढ़ पुलिस की बड़ी कामयाबी: सीईआईआर की मदद से 376 गुम मोबाइल बरामद, 67.68 लाख रुपये की संपत्ति लौटाई

वेलकम इंडिया संवाददाता

प्रतापगढ़। पुलिस अधीक्षक दीपक भूकर के निर्देशन में जनपद में गुम एवं चोरी हुए मोबाइल फोन की बरामदगी के लिए चलाए जा रहे विशेष अभियान के तहत प्रतापगढ़ पुलिस को बड़ी सफलता मिली है। सर्विलांस सेल तथा जनपद के विभिन्न थानों की साइबर टीमों ने सीईआईआर (सेंट्रल इक्विपमेंट आइडेंटिटी रजिस्टर) और आधुनिक तकनीकी संसाधनों की सहायता से 376 गुम मोबाइल फोन बरामद कर उनके वास्तविक स्वामियों को वापस सौंप दिए।

पुलिस अधीक्षक दीपक भूकर एवं अपर पुलिस अधीक्षक (पूर्वी) आलोक कुमार ने बरामद मोबाइल उनके मालिकों को वितरित किए। लंबे समय बाद अपना मोबाइल वापस मिलने पर 376 परिवारों के चेहरों पर खुशी लौट आई। बरामद किए गए मोबाइल फोन की अनुमानित कीमत करीब 67 लाख 68 हजार रुपये आंकी गई है। मोबाइल बरामदगी के क्षेत्र में प्रतापगढ़ पुलिस लगातार बेहतर प्रदर्शन कर रही है। जून माह में जनपद की मोबाइल बरामदगी रैंकिंग 40वें स्थान से बढ़कर 10वें स्थान पर पहुंची थी, जबकि जुलाई माह में मोबाइल बरामदगी का प्रतिशत 87.9 प्रतिशत दर्ज किया गया, जो पुलिस की सक्रिय कार्यशैली और तकनीकी दक्षता को दशार्ता है। इस अवसर पर पुलिस अधीक्षक दीपक भूकर ने आमजन से अपील की कि यदि किसी का मोबाइल फोन गुम हो जाए या चोरी हो जाए तो वह बिना देरी किए निकटतम थाने में शिकायत दर्ज कराएं। उन्होंने बताया कि संचार साथी ऐप के माध्यम से भी मोबाइल गुम या चोरी होने की शिकायत आसानी से दर्ज कराई जा सकती है। उन्होंने कहा कि प्रतापगढ़ पुलिस आधुनिक तकनीक के माध्यम से आमजन की सेवा, सुरक्षा और उनके खोए हुए सामान की बरामदगी के लिए पूरी प्रतिबद्धता के साथ कार्य कर रही है।

नाली विवाद में दंपति से मारपीट, दोनों घायल, कार्रवाई की मांग

वेलकम इंडिया संवाददाता

कांधला। कस्बे के मोहल्ला मौलालाना में नाली के पानी की निकासी को लेकर हुए विवाद में एक दंपति के साथ मारपीट का मामला सामने आया है।मारपीट में पति-पत्नी घायल हो गए। दोनों ने चिकित्सीय परीक्षण कराने के बाद आरोपी के खिलाफ थाने में तहरीर देकर कार्रवाई की मांग की है। बुधवार को पीड़ित फारुख ने बताया कि मोहल्ले में नगर पालिका की ओर से सड़क निर्माण कार्य कराया जा रहा है। इसी दौरान नाली के पानी की निकासी को लेकर पड़ोस के एक युवक से कहासुनी हो गई। आरोप है कि विवाद बढ़ने पर युवक ने उनके साथ गाली-गलौज करते हुए मारपीट कर दी। शोर सुनकर बीच-बचाव के लिए पहुंची उसकी पत्नी फैमीदा के साथ भी आरोपी ने मारपीट कर दी। मारपीट में दोनों घायल हो गए। आसपास के लोगों ने किसी तरह बीच-बचाव कराया। पीड़ित घायल दंपति ने अपना मेडिकल परीक्षण करने के बाद थाने पर पहुंच कर तहरीर देकर कार्रवाई की मांग की है।थाना प्रभारी निरीक्षक बच्चू सिंह ने बताया कि मामले की शिकायत प्राप्त हो गई है। पुलिस आरोपों की जांच कर रही है। जांच कर कार्रवाई की जाएगी।

थाना कोतवाली खलीलाबाद क्षेत्रान्तर्गत आचार्य रामविलास इंटर कालेज मगहर में

साइबर जागरूकता एवं साइबर सुरक्षा कार्यक्रम का आयोजन

वेलकम इंडिया संवाददाता

संतकबीरनगर। पुलिस अधीक्षक संदीप कुमार मीना के निर्देशन, अपर पुलिस अधीक्षक सुशील कुमार सिंह के मार्गदर्शन तथा क्षेत्राधिकारी साइबर क्राइम थाना अमित कुमार के पर्यवेक्षण में साइबर अपराधों की रोकथाम एवं आमजन को डिजिटल सुरक्षा के प्रति जागरूक करने के उद्देश्य से साइबर थाना प्रभारी जयप्रकाश चौबे एवं साइबर थाने की टीम ने थाना कोतवाली खलीलाबाद क्षेत्रान्तर्गत आचार्य रामविलास इंटर कालेज मगहर में साइबर जागरूकता एवं साइबर सुरक्षा कार्यक्रम का आयोजन किया गया।। गोष्ठी के दौरान कार्यकताओं को अज्ञात कॉल, लिंक, ई-मेल, लॉटरी ऑफर, क्यूआर कोड स्कैन, फेक क्रेडिट, वर्क फ्रॉम होम, पुलिस इमपरशोनेशन, अढङ फाइल आदि के माध्यम से की जाने वाली धोखाधड़ी से सतर्क रहने हेतु बताया गया साथ ही यह भी अवगत कराया गया कि किसी भी प्रकार की साइबर ठगी अथवा ऑनलाइन अपराध की सूचना तुरंत हेल्पलाइन नंबर 1930 पर दें अथवा cybercrime.gov.in पोर्टल पर शिकायत दर्ज करें। साइबर अपराधियों द्वारा अनेक प्रलोभन के माध्यम से लाभार्थियों को कॉन्फ्रेंस कॉल पर लेकर सरकारी लाभ दिलाने का झांसा देकर फेक क्रेडिट, वर्क फ्रॉम होम, पुलिस इमपरशोनेशन, अढङ फाइल द्वारा साइबर फ्रॉड किया जा रहा है। संभ्रात लोगों को साइबर जागरूकता कार्यक्रम के माध्यम से उन्हें साइबर अपराधों के विभिन्न तरीकों एवं उनसे बचाव के उपायों की विस्तृत जानकारी देकर जागरूक किया गया उनसे अपील की गई कि वे अपने बैंक विवरण, ओटीपी, पासवर्ड अथवा किसी भी प्रकार की व्यक्तिगत जानकारी किसी के साथ साझा न करें तथा सोशल मीडिया पर प्राप्त संदिग्ध लिंक पर क्लिक न करें। इस गोष्ठी का उद्देश्य साइबर सुरक्षा के प्रति जागरूकता बढ़ाना तथा डिजिटल माध्यमों का सुरक्षित उपयोग करने हेतु प्रेरित करना रहा। इस दौरान प्रभारी निरीक्षक साइबर क्राइम थाना जय प्रकाश चौबे, उ0नि0 रमेश यादव, का0 शिवम यादव म0 का0 अमृता सिंह सहित अन्य अधिकारी/कर्मचारीगण मौजूद रहे।

गंगेरू मार्ग पर फिसली बाइक, युवक घायल; जिला अस्पताल रेफर

कांधला। कस्बे के गंगेरू मार्ग पर बाइक फिसलने से एक युवक गंभीर रूप से घायल हो गया। सूचना पर पहुंची 108 एंबुलेंस ने घायल को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में भर्ती कराया, जहां प्राथमिक उपचार के बाद चिकित्सकों ने उसकी गंभीर हालत को देखते हुए जिला अस्पताल रेफर कर दिया है। थाना क्षेत्र के गांव गढी श्याम निवासी मोनू मंगलवार देर रात किसी कार्य से बाइक पर सवार होकर कस्बे में आ रहा था। जैसे ही वह गंगेरू मार्ग स्थित रजवाहे के समीप पहुंचा, अचानक बाइक का संतुलन बिगड़ गया और वह सड़क पर फिसल गई। हादसे में मोनू गंभीर रूप से घायल हो गया।हादसे के बाद आसपास के लोगों ने तत्काल 108 एंबुलेंस को सूचना दी। मौके पर पहुंची एंबुलेंस कर्मचारियों ने घायल को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र लेकर पहुंची। चिकित्सकों ने प्राथमिक उपचार के बाद उसकी नाजुक स्थिति को देखते हुए बेहतर इलाज के लिए जिला अस्पताल रेफर कर दिया है।

आवारा कुत्तों का आतंक, मासूम बच्चा समेत तीन लोगों को काटा

वेलकम इंडिया संवाददाता

कांधला। कस्बे में आवारा कुत्तों का आतंक लगातार बढ़ता जा रहा है। बुधवार को अलग-अलग स्थानों पर आवारा कुत्तों ने एक 12 वर्षीय मासूम समेत तीन लोगों पर हमला कर उन्हें घायल कर दिया। सभी घायलों ने सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंचकर एंटी रेबीज वैक्सीन लगवाई। बुधवार को कस्बे के सरकारी अस्पताल के समीप रहने वाले वृद्ध मीनू ने बताया कि उनके मोहल्ले में घूम रहे एक आवारा कुत्ते ने उस पर हमला कर काट लिया। वहीं, मेन बाजार निवासी व्यापारी गौरव जैन भी आवारा कुत्ते के हमले में घायल हो गए। इसके अलावा सलेमपुर मार्ग निवासी 12 वर्षीय अतिकुर रहमान को भी एक आवारा कुत्ते ने काटकर घायल कर दिया।तीनों घायलों को उपचार के लिए सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र लाया गया, जहां चिकित्सक डॉ. वीरेंद्र सिंह ने सभी को एंटी रेबीज वैक्सीन लगाई। उन्होंने बताया कि घायलों की स्थिति सामान्य है और उन्हें आवारा जानवरों से दूरी बनाए रखने की सलाह दी गई है।कस्बे में आवारा कुत्तों के बढ़ते हमलों से लोगों में दहशत का माहौल है। स्थानीय लोगों ने नगर पालिका प्रशासन से आवारा कुत्तों को पकड़कर उनका बंध्याकरण कराने और समस्या का स्थायी समाधान करने की मांग की है। नगर पालिका के लिपिक अमरीश बाबू ने बताया कि नगर में पहले भी सैकड़ों आवारा कुत्तों का बंध्याकरण कराया जा चुका है। आवश्यकता के अनुसार आगे भी अभियान चलाया जाएगा।

हर घर तिरंगा अभियान को लेकर भाजपा ने बनाई रणनीति

10 से 15 अगस्त तक तिरंगा यात्रा, जनसंपर्क और शहीद सम्मान कार्यक्रम होंगे आयोजित

वेलकम इंडिया संवाददाता

वाराणसी। भारतीय जनता पार्टी महानगर कार्यालय, गुलाब बाग में बुधवार को 'हर घर तिरंगा' एवं तिरंगा यात्रा अभियान के सफल आयोजन को लेकर महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता महानगर अध्यक्ष प्रदीप अग्रहरि ने की। इसमें महानगर पदाधिकारी, मंडल अध्यक्ष, मंडल प्रभारी, विभिन्न मोर्चों के पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहे। बैठक को संबोधित करते हुए महानगर अध्यक्ष प्रदीप अग्रहरि ने कहा कि 'हर घर तिरंगा' केवल एक कार्यक्रम नहीं, बल्कि राष्ट्रभक्ति, राष्ट्रीय एकता और देश के प्रति सम्मान का जनभागीदारी अभियान है। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के आह्वान का उल्लेख करते हुए कहा कि प्रत्येक

नागरिक को अपने घर, प्रतिष्ठान और कार्यालय पर सम्मानपूर्वक तिरंगा फहराना चाहिए तथा अधिक से अधिक लोगों को इस अभियान से जोड़ना चाहिए।

उन्होंने संगठन की ओर से जारी कार्यक्रमों की जानकारी देते हुए बताया कि 10 से 12 अगस्त तक प्रत्येक मंडल एवं वार्ड स्तर पर भव्य तिरंगा यात्राएं निकाली जाएंगी। 12 से 14 अगस्त के बीच शहीद स्मारकों एवं स्वतंत्रता संग्राम से जुड़े स्थलों पर स्वच्छता अभियान और पुष्पांजलि कार्यक्रम आयोजित होंगे। वहीं 13 से 15 अगस्त तक प्रत्येक घर एवं प्रतिष्ठान पर तिरंगा फहराने के लिए व्यापक जनसंपर्क अभियान चलाया जाएगा। इसके साथ ही शहीदों के

परिजनों, वीर सैनिकों एवं राष्ट्रसेवा में समर्पित पुलिस कर्मियों का सम्मान भी किया जाएगा। बैठक में यह भी निर्णय लिया गया कि विद्यालयों एवं महाविद्यालयों के विद्यार्थियों, युवा मोर्चा, महिला मोर्चा तथा सामाजिक संगठनों की सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित की जाएगी। सोशल मीडिया के माध्यम से भी 'हर घर तिरंगा' अभियान का व्यापक प्रचार-प्रसार किया जाएगा। मुख्य अतिथि एवं क्षेत्रीय अध्यक्ष अशोक चौरसिया ने पदाधिकारियों एवं कार्यकताओं से प्रत्येक बूथ और प्रत्येक घर तक पहुंचकर अभियान को सफल बनाने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर पूरे महानगर में राष्ट्रभक्ति का वातावरण दिखाई देना चाहिए। बैठक में अभियान का संयोजक महानगर उपाध्यक्ष मधुकर चित्रांश को बनाया गया। कार्यक्रम का संचालन नवीन कपूर ने किया, जबकि अशोक पटेल ने धन्यवाद ज्ञापित किया। बैठक में महापौर अशोक तिवारी, नगर निगम के उपसभापति नरसिंह दास बाबा, सुरेश चौरसिया, चंद्रशेखर उपाध्याय, कुसुम पटेल, साधना वेदांती, रचना अग्रवाल, गीता शास्त्री, आत्मा विश्वेश्वर, मधुप सिंह, अभिषेक मिश्रा, प्रमील पाण्डेय, अजय गुप्ता, विवेक पाण्डेय, अतुल सिंह, योगेश वर्मा, विभव सिंह, पंकज चतुर्वेदी, मनोज सोनकर, आलोक श्रीवास्तव, बृजेश चौरसिया, अशोक यादव, रीना पात्रो, अनुपम गुप्ता, पुन्नू लाल बिंद, प्रिंस द्विवेदी सहित अनेक पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

पंकज चुघ बने वाराणसी मंडल के वरिष्ठ मंडल सुरक्षा आयुक्त

रेलवे सुरक्षा व्यवस्था को और सुदृढ़ बनाने पर रहेगा फोकस, यात्रियों की सुरक्षा होगी प्रथम प्राथमिकता

वेलकम इंडिया संवाददाता

वाराणसी। पूर्वोत्तर रेलवे के वाराणसी मंडल में भारतीय रेलवे सुरक्षा बल सेवा (आईआरपीएफएस) के वरिष्ठ अधिकारी पंकज चुघ ने वरिष्ठ मंडल सुरक्षा आयुक्त (सीनियर डिविजनल सिक्योरिटी कमिश्नर) का पदभार ग्रहण कर लिया है। वर्ष 2013 बैच के ग्रुप 'ए' अधिकारी पंकज चुघ ने संघ लोक सेवा आयोग (यूपीएससी) के माध्यम से चयनित होकर 7 सितंबर 2015 को भारतीय रेलवे सुरक्षा बल सेवा में अपनी जिम्मेदारी संभाली थी। वे मानव संसाधन (एचआर) में एमबीए की शैक्षणिक योग्यता भी रखते हैं।

अपने सेवाकाल के दौरान पंकज चुघ ने रेलवे सुरक्षा के क्षेत्र में कई महत्वपूर्ण जिम्मेदारियां निभाई हैं। उन्होंने पूर्वोत्तर रेलवे, गोरखपुर में सहायक सुरक्षा आयुक्त (एएससी), उत्तर पश्चिम रेलवे, अजमेर में प्रभारी सहायक सुरक्षा आयुक्त तथा मंडल सुरक्षा आयुक्त (डीएससी) के रूप में कार्य किया। इसके अलावा दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे, नागपुर में मंडल सुरक्षा आयुक्त एवं वरिष्ठ मंडल सुरक्षा आयुक्त के पद पर भी अपनी सेवाएं दीं। रेलवे सुरक्षा एवं संरक्षा के क्षेत्र में उनके अनुभव को देखते हुए वाराणसी मंडल में उनसे सुरक्षा व्यवस्था को और अधिक प्रभावी बनाने की उम्मीद की जा रही है। उनके नेतृत्व में रेलवे स्टेशनों, ट्रेनों और रेलवे परिसरों की सुरक्षा व्यवस्था को मजबूत करने, यात्रियों की सुरक्षा सुनिश्चित करने, अपराध नियंत्रण, महिला एवं बाल सुरक्षा, सुरक्षा जागरूकता अभियान तथा रेलवे संपत्ति की सुरक्षा से जुड़े कार्यों को नई गति मिलने की संभावना है। पंकज चुघ अपनी कार्यशैली, अनुशासन और व्यवहार कुशलता के कारण पूर्वोत्तर रेलवे के अधिकारियों एवं कर्मचारियों के बीच लोकप्रिय माने जाते हैं। उनके पदभार ग्रहण करने पर रेलवे अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने उन्हें शुभकामनाएं देते हुए वाराणसी मंडल में सफल कार्यकाल की अपेक्षा व्यक्त की है।

पंकज चुघ अपनी कार्यशैली, अनुशासन और व्यवहार कुशलता के कारण पूर्वोत्तर रेलवे के अधिकारियों एवं कर्मचारियों के बीच लोकप्रिय माने जाते हैं। उनके पदभार ग्रहण करने पर रेलवे अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने उन्हें शुभकामनाएं देते हुए वाराणसी मंडल में सफल कार्यकाल की अपेक्षा व्यक्त की है।

काशी विद्यापीठ में विश्व स्तनपान सप्ताह पर जागरूकता कार्यक्रम किया गया आयोजित

वेलकम इंडिया संवाददाता

वाराणसी। महात्मा गांधी काशी विद्यापीठ के गृह विज्ञान विभाग में विश्व स्तनपान सप्ताह के अवसर पर बुधवार को स्तनपान के महत्व एवं मातृ-शिशु स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता फैलाने के उद्देश्य से विशेष कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में स्तनपान के स्वास्थ्य लाभों तथा समाज में इसके प्रति जागरूकता बढ़ाने की आवश्यकता पर विस्तार से प्रकाश डाला गया। वक्ताओं ने बताया कि विश्व स्तनपान सप्ताह प्रत्येक वर्ष 1 से 7 अगस्त तक मनाया जाता है। इसका उद्देश्य स्तनपान के प्रति जन-जागरूकता बढ़ाना तथा माताओं को आवश्यक सहयोग प्रदान करने के लिए समाज को प्रेरित करना है। उन्होंने कहा कि शिशु के समुचित शारीरिक एवं मानसिक विकास के लिए स्तनपान अत्यंत आवश्यक है और यह मां तथा

बच्चे दोनों के स्वास्थ्य के लिए लाभकारी है। कार्यक्रम में गृह विज्ञान विभाग की छात्राओं आदिशक्ति, दिव्यशक्ति, नैना शर्मा, अर्पिता पाल, जैनशीन, सोनी कुमारी, संध्या गुप्ता, नेहा यादव, विशाखा, दृष्टि सिंह एवं कोमल कुमारी ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। छात्राओं ने पोस्टर निर्माण, ग्रीटिंग कार्ड निर्माण, स्लोगन लेखन तथा कविता पाठ जैसी रचनात्मक गतिविधियों के माध्यम से स्तनपान के महत्व का प्रभावशाली संदेश दिया।

अकीदत के साथ निकला चेहलुम का ताजिया व अलम जुलूस

वेलकम इंडिया संवाददाता

वाराणसी। शहर में चेहलुम के अवसर पर बुधवार को परंपरा और अकीदत के साथ ताजिया व अलम का जुलूस निकाला गया। वक्फ मस्जिद व इमामबाड़ा मौलाना मीर इमाम अली एवं मेहंदी बेगम, गोविंदपुरा छत्ततला से निकला यह जुलूस मुतवल्ली सैयद मुनाज़िर हुसैन 'मंजू' के जेरे एहतमाम अपनी पारंपरिक शान के साथ रवाना हुआ। जुलूस में बड़ी संख्या में अकीदतमंद शामिल हुए और नौहाख्वानी व मातम के जरिए कर्बला के शहीदों को खिराज-ए-अकीदत पेश की गई। जुलूस उठने से पूर्व जुल्फेकार जैदी ने मजलिस पढ़ी और कर्बला में हजरत इमाम हुसैन तथा उनके साथियों की शहादत का मार्मिक वर्णन किया। इसके बाद कब्बन, शुजात खान एवं साथियों ने सवारी पेश करते हुए 'जब गोरे गरीबा से वतन में हरम आए' पढ़ा। जुलूस नया चौक और गुदड़ी बाजार होते हुए दालमंडी स्थित हकीम

काज़िम के इमामबाड़े पहुंचा, जहां से जुल्जनाह भी जुलूस में शामिल हुआ। इसके बाद अंजुमन हैदरी चौक बनारस के सदस्यों ने नौहाख्वानी और मातम किया। अंजुमन के नौहाख्वान लियाकत अली खान ने 'ऐ एहले अजा बैठे क्या हो, फर्जन्दे नबी का चेहलुम है' नौहा पढ़कर माहौल को गमगीन कर दिया। जुलूस में शराफत अली, सहाब जैदी, शोफी, राजा और शानू ने भी नौहाख्वानी कर शहीद-ए-कर्बला को श्रद्धांजलि अर्पित की। जुलूस दालमंडी, खजूर वाली मस्जिद, नई सड़क, शेख सलीम फाटक, तुलसी कुआं, काली महल और पितरकुंडा सहित विभिन्न मार्गों से होते हुए लल्लापुरा स्थित फातमान पहुंचा, जहां परंपरागत रस्मों के साथ चेहलुम का जुलूस संपन्न हुआ। पूरे मार्ग पर सुरक्षा के व्यापक प्रबंध रहे और अकीदतमंदों

केएन स्पोर्टिंग क्लब बना बालाजी डे क्रिकेट टूनार्मेंट का चैंपियन

चौकाघाट-11 को हराकर जीता खिताब, विजेता टीम को 51 हजार और उपविजेता को 25 हजार का पुरस्कार

वेलकम इंडिया संवाददाता

वाराणसी। भारत मिलाप मैदान में आयोजित बालाजी डे क्रिकेट टूनार्मेंट का भव्य फाइनल मुकाबला उत्साह और रोमांच के बीच संपन्न हुआ। फाइनल में केएन स्पोर्टिंग क्लब ने शानदार प्रदर्शन करते हुए चौकाघाट-11 को पराजित कर टूनार्मेंट का खिताब अपने नाम कर लिया। पूरे मुकाबले के दौरान खिलाड़ियों ने बेहतरीन खेल का प्रदर्शन किया, जिससे दर्शकों में खासा उत्साह देखने को मिला। विजेता टीम केएन स्पोर्टिंग क्लब को 51 हजार रुपये की पुरस्कार राशि एवं ट्रॉफी प्रदान की गई, जबकि उपविजेता चौकाघाट-11 की टीम, जिसकी कप्तानी विपिन सिंह ने की, को 25 हजार रुपये की पुरस्कार राशि देकर सम्मानित किया गया। टूनार्मेंट में पूरे सीजन शानदार प्रदर्शन करने वाले विकाश यादव को मैन ऑफ द

सीरीज चुना गया, जबकि फाइनल मुकाबले में बेहतरीन प्रदर्शन के लिए आयुष पाल को मैन ऑफ द मैच का पुरस्कार दिया गया। समापन एवं पुरस्कार वितरण समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में दिव्यांशु सेठ, प्रमोद राय एवं किशन दीक्षित उपस्थित रहे। अतिथियों ने विजेता एवं उपविजेता टीम को बधाई देते हुए खिलाड़ियों की खेल भावना, अनुशासन और प्रतिभा की सराहना की। उन्होंने कहा कि ऐसे आयोजन युवाओं को अपनी प्रतिभा दिखाने का मंच प्रदान करते हैं तथा

खेल संस्कृति को बढ़ावा देते हैं। टूनार्मेंट के मुख्य प्रायोजक दिव्यांशु सेठ रहे। कार्यक्रम का सफल संचालन संदीप वर्मा उर्फ गोलू ने किया। आयोजन को सफल बनाने में समिति के सदस्य गोल्डी, गोलू, अंकित, सोनी, विक्की एवं संतोष का विशेष योगदान रहा। समापन अवसर पर आयोजकों ने सभी खिलाड़ियों, अतिथियों, दर्शकों एवं सहयोगियों का आभार व्यक्त करते हुए भविष्य में भी ऐसे खेल आयोजनों का निरंतर आयोजन कराने का संकल्प दोहराया। उन्होंने कहा कि खेल प्रतियोगिताएं युवाओं को स्वस्थ प्रतिस्पर्धा, अनुशासन और टीम भावना का संदेश देती हैं तथा समाज में सकारात्मक ऊर्जा का संचार करती हैं।

शिक्षाविद् प्रो. रामकुंवर यादव का निधन, शिक्षा जगत में शोक

हरिश्चंद्र पीजी कॉलेज के प्राचार्य प्रो. रजनीश कुंवर के पिता थे, हरिश्चंद्र घाट पर हुआ अंतिम संस्कार

वेलकम इंडिया संवाददाता

वाराणसी। हरिश्चंद्र स्नातकोत्तर महाविद्यालय के प्राचार्य प्रो. रजनीश कुंवर के पिता एवं श्री मुरली मनोहर टाउन पीजी कॉलेज, बलिया के पूर्व प्राचार्य प्रो. (डॉ.) रामकुंवर यादव का मंगलवार सुबह लंका स्थित आवास पर निधन हो गया। वह 88 वर्ष के थे और पिछले कुछ समय से अस्वस्थ चल रहे थे। उनके निधन से शिक्षा जगत में शोक की लहर दौड़ गई। वह मूल रूप से चंदौली जनपद के धानापुर क्षेत्र के निवासी थे।

प्रो. (डॉ.) रामकुंवर यादव शिक्षा जगत की प्रतिष्ठित एवं सम्मानित विभूतियों में गिने जाते थे। उच्च शिक्षा प्राप्त करने के बाद उन्होंने मेरठ कॉलेज से अपने अध्यापन जीवन की शुरूआत की।

इसके बाद महात्मा गांधी काशी विद्यापीठ के समाजशास्त्र विभाग में अपनी सेवाएं दीं। बाद में श्री मुरली मनोहर टाउन पीजी कॉलेज, बलिया में समाजशास्त्र विभाग में रीडर एवं विभागाध्यक्ष नियुक्त हुए। वर्ष 1982 में उन्हें महाविद्यालय का प्राचार्य बनाया गया। लगभग 17 वर्षों के कार्यकाल में उन्होंने महाविद्यालय के शैक्षणिक, प्रशासनिक एवं संस्थागत विकास में महत्वपूर्ण योगदान दिया। वर्ष 1999 में वह प्राचार्य पद से सेवानिवृत्त हुए।

सेवानिवृत्ति के बाद भी उन्होंने शिक्षा क्षेत्र में सक्रिय भूमिका निभाई। पूर्वांचल विश्वविद्यालय, जौनपुर में ओएसडी, चीफ प्रॉक्टर तथा इंजीनियरिंग कॉलेज के निदेशक सहित कई महत्वपूर्ण पदों पर कार्य किया। इसके अलावा विश्वविद्यालय की विभिन्न समितियों एवं परीक्षाओं में निरीक्षक और समन्वयक के रूप में भी उन्होंने उल्लेखनीय सेवाएं प्रदान कीं। अपने पीछे वह भरा-पूरा परिवार छोड़ गए हैं। उनके छोटे पुत्र प्रो. रजनीश कुंवर वर्तमान में हरिश्चंद्र स्नातकोत्तर महाविद्यालय के प्राचार्य हैं, जबकि बड़े पुत्र डॉ. अरविंद कुंवर राजकीय इंटर कॉलेज, शक्तिनगर में प्राचार्य के पद पर कार्यरत हैं। परिवार में उनकी पत्नी तथा पोते विनायक कुंवर, कार्तिकेय कुंवर, आर्यन कुंवर और अंश कुंवर सहित अन्य परिजन हैं।

बुधवार सुबह उनका अंतिम संस्कार हरिश्चंद्र घाट पर पूरे विधि-विधान के साथ किया गया, जहां उनके छोटे पुत्र प्रो. रजनीश कुंवर ने मुखाग्नि दी। इस अवसर पर हरिश्चंद्र स्नातकोत्तर महाविद्यालय के प्राध्यापक, कर्मचारी, छात्र-छात्राओं तथा शिक्षा जगत से जुड़े अनेक लोगों ने उपस्थित होकर उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की और शोक संतप्त परिवार के प्रति अपनी संवेदनाएं व्यक्त कीं।

लायंस क्लब प्रयागराज प्रमिला का अधिष्ठापन समारोह संपन्न

वेलकम इंडिया संवाददाता

प्रयागराज। लायंस क्लब प्रयागराज प्रमिला का अधिष्ठापन समारोह सिविल लाइन्स स्थित होटल प्रयाग इन में बड़े हर्षोल्लास के साथ संपन्न हुआ। इसी अवसर पर लियो रेनबो क्लब का अधिष्ठापन समारोह भी आयोजित किया गया। समारोह में क्लब प्रमिला की नई कार्यकारिणी की घोषणा की गई। लायन आयुषी अग्रवाल को क्लब की नई अध्यक्ष, लायन जया मनोहर को सचिव और लायन मुमुल सिंह कोषाध्यक्ष नियुक्त किया गया। वहीं लियो रेनबो क्लब में लियो परनिका सिंह को अध्यक्ष, लियो देवांशी श्रीवास्तव को सचिव और लियो आद्या मनोहर को कोषाध्यक्ष की जिम्मेदारी सौंपी गई। कार्यक्रम का शुभारंभ इंटरनेशनल डायरेक्टर लायन जगदीश उलाठी द्वारा दीप प्रज्वलन के साथ हुआ। इसके पश्चात लियो श्यामभवी शर्मा ने ईश वंदना प्रस्तुत की। कार्यक्रम की अगली कड़ी में लियो रेनबो क्लब की सदस्य लियो आराध्या, अनन्या,

श्रद्धा, काव्या और प्रतिष्ठा ने सामूहिक प्रार्थना गीत किया। इस अवसर पर क्लब की चार्टर प्रेसिडेंट एमजेएफ लायन तृप्ति पनवार मेंबर्स के साथ प्रर्थना की। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि मडंलाध्यक्ष पीएमजेऐफ लायन उदय चंदानी ने क्लब द्वारा किए जा रहे सेवा कार्यों की खूब सराहना की। मंडल अध्यक्ष प्रथम लायन उमेश खक्कर जी ने सभी सदस्यों को शपथ दिलाई।

की-नोट स्पीकरः पीडीजी आईपीडीजी डॉ. लायन अर्पण दत्त दुबे जी कार्यक्रम का संचालन लायन धनांशी अग्रवाल और लायन मुमुल सिंह ने किया। लायन मीना अरोरा ने लायंस के नैतिक सिद्धांत पढ़े, वहीं मीनाक्षी भोला ने ध्वज वंदना प्रस्तुत की। सभी सदस्यों का स्वागत लायन रजनी और लायन वनीता ने नैतिक सिद्धांतः लायन मीना अरोरा, राष्ट्रगान आकांक्षा जायसवाल और सीमा जी ने किया। इस मौके पर रीजन चेयरपर्सन लायन माधवी अग्रवाल, जोन चेयरपर्सन लायन सुनीता चौधरी एवं वरिष्ठ सदस्य, अरुणा अस्थाना माला मिश्रा, धीरेन्द्र मिश्रा, ममता बंसल, ईरा सेठी, उषा तिवारी, रोहित जायसवाल, वंदना तिवारी, राकेश मोहन बालाजी, सतीश टंडन, बृजेन्द्र जायसवाल व अन्य गणमान्य सदस्य उपस्थित रहे।

श्रद्धा और सेवा भाव के साथ मनाया नरेंद्र पटेल का जन्मदिन

वेलकम इंडिया संवाददाता

वाराणसी। अपना दल (एस) के क्षेत्रीय अध्यक्ष नरेंद्र पटेल का जन्मदिन बनारस स्टेशन के सामने स्थित भगवान अवधूत राम आश्रम में श्रद्धा, सेवा एवं सामाजिक समरसता के वातावरण में हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। इस अवसर पर पार्टी पदाधिकारियों, कार्यकताओं एवं शुभचिंतकों ने केक काटकर जन्मोत्सव मनाया और पुष्पगुच्छ भेंट कर उन्हें जन्मदिन की हार्दिक शुभकामनाएं दीं। कार्यक्रम में उपस्थित लोगों ने नरेंद्र पटेल के स्वस्थ, दीघार्यु एवं सफल जीवन की कामना करते हुए संगठन और समाज के प्रति उनके समर्पित योगदान की सराहना की। इस दौरान आश्रम में मौजूद श्रद्धालुओं एवं जरूरतमंदों के बीच प्रसाद और मिष्ठान का वितरण भी किया गया। वक्ताओं ने कहा कि नरेंद्र पटेल संगठन के कर्मठ, सक्रिय एवं जनप्रिय नेता हैं, जो समाज के सभी वर्गों को साथ लेकर जनहित एवं संगठन हित के कार्यों में निरंतर योगदान दे रहे हैं। उनके नेतृत्व में संगठन लगातार मजबूत हो रहा है और सामाजिक सरोकारों से जुड़े अनेक कार्यों को नई दिशा मिल रही है। कार्यक्रम का समापन समाज में सुख, शांति, समृद्धि एवं सभी के उज्ज्वल भविष्य की मंगलकामना के साथ हुआ। इस अवसर पर अपना दल (एस) के वरिष्ठ नेता अभिमन्यु सिंह, चंचल मिश्र, संतोष वर्मा, शुभम केशरी, सुनील बिंद, कुंदन, किशन, रोहित पांडेय, मनोज, मनीष, अजय पटेल, संदीप पटेल, राहुल, उत्तम, सत्यम यादव, सूरज, अनीस, आशुतोष प्रजापति, गौरव और विक्रम सहित पार्टी के पदाधिकारी, कार्यकर्ता, समर्थक एवं बड़ी संख्या में गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।

शिक्षक संगोष्ठी एवं प्रवेश उत्सव का भव्य आयोजन

बच्चों को नि:शुल्क बैग वितरित कर किया गया प्रोत्साहित

अनिल वशिष्ठ

मोदीनगर(वेलकम इंडिया)। मुरादनगर सरना गांव स्थित प्राथमिक विद्यालय में ब्लॉक अध्यक्ष अमित कुमार यादव के नेतृत्व में विद्यालय परिसर में शिक्षक संगोष्ठी एवं प्रवेश उत्सव का भव्य आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ अतिथियों के स्वागत एवं दीप प्रज्वलन के साथ हुआ। कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि के रूप में, जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी ओ.पी. यादव,डायट वरिष्ठ प्रवक्ता पवन कुमार भाटी ,प्रांतीय उपाध्यक्ष अनुज त्यागी ,खंड शिक्षा अधिकारी, विकासखंड मुरादनगर अभिषेक यादव तथा डीसी प्रशिक्षण श्रीमती सिंपल चौधरी , उपस्थित रहे। श्रीमती सिंपल चौधरी ने अपने संबोधन में अध्यापकों को प्रशिक्षण के महत्व पर प्रकाश डालते हुए निरंतर सीखने एवं नवीन शिक्षण विधियों को अपनाने के लिए प्रेरित किया। कार्यक्रम का मुख्य आकर्षण मुथूट फाइनेंस द्वारा विद्यार्थियों को नि:शुल्क विद्यालय बैगों का वितरण रहा। बैग प्राप्त कर बच्चों में अत्यंत उत्साह देखने को मिला।इस पहल ने विद्यार्थियों को नियमित रूप से विद्यालय आने तथा मन लगाकर अध्ययन करने के लिए प्रेरित किया।इस अवसर पर विद्यार्थियों द्वारा मनमोहक सांस्कृतिक एवं रंगारंग कार्यक्रम प्रस्तुत किए गए। साथ ही निपुण भारत अभियान के उद्देश्यों को प्रदर्शित करते हुए एक प्रभावशाली नाट्य प्रस्तुति भी दी गई, जिसने उपस्थित सभी अतिथियों एवं शिक्षकों का ध्यान आकर्षित किया। जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी ओ.पी. यादव ने शिक्षकों को आगामी शैक्षणिक वर्ष की कार्ययोजना, गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, विद्यार्थियों की नियमित उपस्थिति तथा सीखने के बेहतर परिणाम सुनिश्चित करने हेतु प्रेरित किया। वहीं डायट वरिष्ठ प्रवक्ता पवन कुमार भाटी ने शिक्षकों से आपसी समन्वय बनाए रखते हुए नियमित उपस्थिति सुनिश्चित करने एवं प्रत्येक बच्चे को निपुण बनाने के लक्ष्य के साथ पूर्ण समर्पण से कार्य करने का आह्वान किया। कार्यक्रम में मुथूट टीम से शिव कुमार शर्मा (क्लस्टर हेड), सुश्री मीनू यादव (ब्रांच हेड, मुरादनगर शाखा) एवं श्री प्रियांशु कंसल (जूनियर रिलेशनशिप एग्जीक्यूटिव) की गरिमामयी उपस्थिति एवं विशेष योगदान रहा। कार्यक्रम में विद्यालय की प्रधानाध्यापिका एवं समस्त स्टाफ के साथ एआरपी मीनाक्षी यादव, एआरपी प्रीति त्यागी, प्रीति, प्रधानाध्यापिका लक्ष्मी त्यागी, अर्चना धीमान, निशि रानी शर्मा, अजय कुमार, प्रमोद सिरोही, राजेश चौबे सहित अनेक शिक्षक एवं गणमान्य अतिथि उपस्थित रहे।

स्वर्गीय सत्यपाल मलिक को श्रद्धांजलि देने उमड़ा जन सैलाब

अनिल वशिष्ठ

मोदीनगर(वेलकम इंडिया)। पूर्व राज्यपाल रहे स्वर्गीय सत्यपाल मलिक की प्रथम पुण्यतिथि पर उनकी जन्मस्थली गांव हिसवदा जिला बागपत में बहुत अधिक संख्या में लोग पहुंचे। सुबह उनकी हवेली पर यज्ञ हवन किया गया बाद में एक मैदान में श्रद्धांजलि सभा का आयोजन किया गया था। श्रद्धांजलि देने वालों खाप चौधरी, थाम्बेदार , राजनेता व किसान मजदूर पहोंचे। मुख्य व्यक्तियों में पूर्व मुख्यमंत्री भुपेंद्र सिंह हुड्डा हरियाणा , पूर्व केबिनेट मंत्री विरेन्द्र सिंह हरियाणा ,किसान नेता वीएम सिंह , भाकियू से गौरव टिकैत , श्योराण खाप चौधरी बाबा परमेन्द्र आर्य, सर्व खाप मंत्री सुभाष बालियान, देशवाल खाप चौधरी शरणवीर सिंह आदि ने श्रद्धांजलि अर्पित की व सभा को सम्बोधित किया । बाबा परमेन्द्र आर्य ने कहा आजाद भारत में सत्यपाल मलिक पहले ऐसे राज्यपाल रहे जो पद पर रहते हुए सरकार कि गलत नीतियो का विरोध करते रहे किसान आंदोलन में उन्होंने किसानों की मांगों का समर्थन किया था। उन्होंने पुलवामा हमले की उच्च स्तरिय जांच कराने की मांग की थी। बीमार होने पर भी महिना पहलवानों के धरने पर मलिक साहब पहोंचते थे। उनसे प्रेरणा लेकर हमें सरकार की गलत नीतियों का विरोध करना चाहिये ये ही उन्हें सच्ची श्रद्धांजलि है। गांव हिसावदा वासियों ने प्रति वर्ष उनकी पुण्यतिथि पर श्रद्धांजलि सभा का आयोजन करने का संकल्प लिया।

बार एसोसिएशन मोदीनगर के नवनिर्वाचित अध्यक्ष रामकुमार चौधरी किया स्वागत

अनिल वशिष्ठ

मोदीनगर(वेलकम इंडिया)। छाया पब्लिक स्कूल गोविंदपुरी मोदीनगर में बार एसोसिएशन मोदीनगर के नव निर्वाचित अध्यक्ष राम कुमार चौधरी का प्रधानाचार्य अरुण त्यागी व उनके समस्त स्टाफ द्वारा माला पहनाकर स्वागत किया गया। इस मौके पर बार के पूर्व अध्यक्ष राजकुमार गुप्ता व बार के पूर्व सचिव नकुल त्यागी व समाज सेवी कौशल वशिष्ठ आदि लोगों ने भी नव निर्वाचित अध्यक्ष को बधाई एवं शुभकामनाएं दी।

आरोपियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की मांग को लेकर कोतवाली पर किया प्रदर्शन

वेलकम इंडिया संवाददाता

मोदीनगर। मां-बेटी के साथ मारपीट करने के मामले में कांग्रेसियों ने बुधवार को आरोपियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की मांग को लेकर कोतवाली पर प्रदर्शन किया। पीसीसी सदस्य उत्तर प्रदेश सुनील शर्मा, शहर अध्यक्ष मोदीनगर बृजेश कुमार सेन के नेतृत्व में विभिन्न पार्टियों और संगठनों के नेता ने पंकज कंसल व सपना अग्रवाल पर दीपा कश्यप मॉब लिंचिंग की कोशिश और पिटाई का वीडियो बनाकर सोशल मीडिया पर पोस्ट करने की उचित धाराओं में केस दर्ज कर राष्ट्रीय सुरक्षा कानून के तहत कार्यवाही करने के लिए थाना प्रभारी को एक ज्ञापन दिया । इस अवसर पर पीसीसी सदस्य उत्तर प्रदेश सुनील शर्मा, शहर अध्यक्ष मोदीनगर बृजेश कुमार सेन, ब्लॉक अध्यक्ष मोदीनगर चांद वीर चौधरी, ब्लॉक अध्यक्ष गोविंदपुरी राकेश सोनी, वरिष्ठ समाजवादी नेता सुरेंद्र त्यागी, वरिष्ठ समाजवादी नेता ग्रीश मथुरिया, वरिष्ठ किसान नेता बबली गुर्जर, बिजेंदर कसाना, मानव अधिकार फाउंडेशन (भारत) राष्ट्रीय अध्यक्ष दीपक शर्मा, हरिदत्त कसाना, कल्पना सिंह, बबीता चौधरी, रामकिशन शर्मा, संदीप त्यागी, आरिफ रिजवी, अनस सैफी, जहूर खान, भिखारी लाल कश्यप, महेश दत्त शर्मा, लक्की कश्यप और प्रमोद कश्यप विनोद गुप्ता महेश दत्त शमार्का मुख्य रूप से उपस्थित रहे।

विशाल कावड़ सेवा शिविर एवं भंडारे का पूजा अर्चना के साथ किया शुभारंभ

अनिल वशिष्ठ

मोदीनगर(वेलकम इंडिया)। श्री बालाजी सेवा समिति आदर्श नगर मोदीनगर द्वारा दिल्ली मेरठ मुख मार्ग पर मोदी इंटर कॉलेज में 16 वां विशाल कावड़ सेवा शिविर एवं भंडारे का पूजा अर्चना के साथ शुभारंभ किया गया। इस मौके पर हरेन्द्र शर्मा, कन्हैया लाल, विनय गर्ग, शुभांकर गुप्ता, सुनील गोयल, गोपाल गुप्ता, जगमोहन बंसल, सुरेन्द्र गुप्ता, डॉ अनुपम गर्ग, राजीव सिंघल, देवी शरण गर्ग, अनुज मित्तल, पूर्व चेयरमैन राम आश्रय शर्मा, चेयरमैन विनोद वैशाली, सभासद अरुण खन्ना, एवं अन्य श्रद्धालु उपस्थित रहे। समाजसेवी हरेंद्र शर्मा एवं शुभंकर गुप्ता ने बताया कि सभी के सहयोग से विगत वर्षो से शिव भक्त कांवडियों की सेवा में सेवा शिविर लगाया जा रहा है। हमारे शस्त्रों में कहा गया कि सच्चे मन से सेवा करना ही सबसे बडा धर्म है। सभी सहयोगी कांवड सेवा शिविर में कांवडियों की सेवा में जलपान, भोजन, चिकित्सा और विश्राम की व्यवस्था कराने में लगे हुए हैं।

कांवड़ यात्रा-2026, डीसीपी ग्रामीण ने मोदीनगर-निवाड़ी मार्ग का किया निरीक्षण

सुरक्षा व्यवस्था पर दिए सख्त निर्देश

अनिल वशिष्ठ

मोदीनगर(वेलकम इंडिया)। कांवड़ यात्रा-2026 को सुरक्षित और व्यवस्थित ढंग से संपन्न कराने के लिए पुलिस प्रशासन पूरी तरह मुस्तैद है। बुधवार को पुलिस उपायुक्त ग्रामीण सुरेन्द्र नाथ तिवारी ने सहायक पुलिस आयुक्त मोदीनगर और पुलिस बल के साथ थाना मोदीनगर एवं थाना निवाड़ी क्षेत्र के कांवड़ शिविरों और यात्रा मार्ग का स्थलीय निरीक्षण किया।

इस दौरान उन्होंने सुरक्षा, यातायात व्यवस्था, बैरिकेडिंग, डायवर्जन, संवेदनशील स्थानों पर निगरानी, साफ-सफाई, प्रकाश व्यवस्था और आपातकालीन सेवाओं की तैयारियों का जायजा लिया। डीसीपी ने संबंधित अधिकारियों को श्रद्धालुओं की सुरक्षा और निर्बाध आवागमन सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

साथ ही ड्यूटी पर तैनात पुलिस कर्मियों को सतर्कता, अनुशासन और आमजन व कांवड़ियों के साथ सौहार्दपूर्ण व्यवहार बनाए रखते हुए कांवड़ यात्रा को शांतिपूर्ण एवं सकुशल संपन्न कराने के निर्देश दिए। पुलिस प्रशासन का उद्देश्य श्रद्धालुओं को सुरक्षित और सुगम यात्रा उपलब्ध कराना है।

इस मौके पर एसीपी भास्कर वर्मा एवं कोतवाली प्रभारी निरीक्षक आनंद प्रकाश मिश्रा उपस्थित रहे।

तेल मिल गेट पर शिव कावड़ सेवा शिविर का पूजा अर्चना के साथ किया शुभारंभ

अनिल वशिष्ठ

मोदीनगर(वेलकम इंडिया)। शिव कावड़ सेवा संघ के तत्वाधान में तेल मिल गेट पर शिव कावड़ सेवा शिविर का पूजा अर्चना के साथ शुभारंभ किया किया गया। इस मौके पर पूर्व विधायक पंडित सुदेश शर्मा सभासद सुबे सिंह बलदेव सिंह नवीन गर्ग प्रवीण मित्तल, भाजपा मंडल महामंत्री अनिल सैन, सुरमेश प्रधान देवराज मित्तल, नरेश मित्तल जसवीर सिंह, मुकेश गुप्ता, मुकेश अग्रवाल, अतुल गर्ग, राहुल गुप्ता अमित वशिष्ट सहित अन्य श्रद्धालु उपस्थित रहे। नवीन गर्ग ने बताया कि सभी के सहयोग से विगत वर्षो से शिव भक्त कांवडियों की सेवा में सेवा शिविर लगाया जा रहा है। हमारे शस्त्रों में कहा गया कि सच्चे मन से सेवा करना ही सबसे बडा धर्म है। सभी सहयोगी कांवड सेवा शिविर में कांवडियों की सेवा में जलपान, भोजन, चिकित्सा और विश्राम की व्यवस्था कराने में लगे हुए हैं।

नितिन मित्तल पर हुए जानलेवा हमले में आरोपियों पर कड़ी कार्रवाई को लेकर कोतवाली पर प्रदर्शन

वेलकम इंडिया संवाददाता

मोदीनगर। भाजपा के पूर्व जिला उपाध्यक्ष वैश्य युवा नेता नितिन मित्तल पर हुए जानलेवा हमले में आरोपियों पर कोई प्रभावी कार्यवाही नहीं होने पर वैश्य समाज के लोगों ने रोष जाहिर करते हुए कोतवाली पर प्रदर्शन किया और और कोतवाली प्रभारी निरीक्षक से मिलकर जल्द से जल्द कार्रवाई की मांग की ।भाजपा के पूर्व जिला उपाध्यक्ष वैश्य युवा नेता नितिन मित्तल पर 2 अगस्त को हुए जानलेवा हमले में दोषियों पर कोई प्रभावी कार्यवाही न होने के कारण मोदीनगर के वैश्य समाज में भारी रोष है। क्योंकि माना जाता है कि वैश्य भाजपा का कोर वोट बैंक है। वैश्य एवं व्यापारी समाज सैकड़ो लोगों ने भाजपा के पूर्व जिलाध्यक्ष दिनेश सिंहल , वैश्य सभा के महामंत्री डा मुकेश गर्ग, व्यापार संघ के नगर अध्यक्ष महेश तायल, नगरपालिका सदस्य ललित मित्तल, वैश्य कल्याण समिति के अध्यक्ष मुन्नू अग्रवाल,व्यापार संघ के अमित गुप्ता ,बार एसोसिएशन के पूर्व अध्यक्ष राजकुमार गुप्ता एडवोकेट एवं वैश्य समाज के अध्यक्ष बृज भूषण बंसल के नेतृत्व में कोतवाली पर प्रदर्शन किया और प्रभारी निरीक्षक आनंद प्रकाश मिश्रा से मुलाकात करके प्रकरण में उचित कार्यवाही न होने पर भारी रोष जताया तथा कहा कि यदि दो दिन में आरोपियों पर उचित धाराओं में मुकदमा दर्ज करके जेल नहीं भेजा गया तो व्यापारी समाज बाजार बंद करके विरोध प्रदर्शन करेगा।

दादरी तहसील में संविदाकर्मियों पर रिश्वतखोरी के आरोप, भाकियू भानू ने SDM को सौंपा ज्ञापन

कपिल चौहान

दादरी (वेलकम इंडिया)। भारतीय किसान यूनियन (भानू) के पदाधिकारियों ने बुधवार को दादरी तहसील पहुंचकर उपजिलाधिकारी (रउ्ट) को ज्ञापन सौंपा। ज्ञापन के माध्यम से तहसील में संविदा पर कार्यरत कर्मचारियों पर रिश्वतखोरी, अवैध उगाही तथा आम जनता से दुर्व्यवहार किए जाने के आरोप लगाते हुए मामले की निष्पक्ष जांच और दोषी पाए जाने पर उचित कानूनी कार्रवाई की मांग की गई। भाकियू पदाधिकारियों ने कहा कि तहसील में सरकारी कार्यों के लिए आने वाले आम नागरिकों के साथ किसी भी प्रकार की अवैध वसूली अथवा दुर्व्यवहार बर्दाश्त नहीं किया जाना चाहिए। उन्होंने प्रशासन से पूरे प्रकरण की गंभीरता से जांच कराकर आवश्यक कार्रवाई सुनिश्चित करने की मांग की। इस अवसर पर विधानसभा अध्यक्ष दादरी जीवाराम यादव, प्रदेश महासचिव संजय नागर, जिला अध्यक्ष राजकुमार नागर, जिला अध्यक्ष सैनिक प्रकोष्ठ लोकेश चन्द्र शर्मा, जिला उपाध्यक्ष विधि प्रकोष्ठ एडवोकेट मदनलाल शर्मा, तहसील उपाध्यक्ष दादरी पंकज चौधरी व प्रमोद शर्मा, तहसील अध्यक्ष गाजियाबाद एडवोकेट विनय कौशिक, तहसील अध्यक्ष महिला मोर्चा दादरी रजनी कटियार सहित अमित शर्मा, जितेन्द्र तोगड़, सीमा गंगवार, गीता देवी, बीना देवी, विमलेश देवी, कपिल भाटी और भानू प्रकाश शर्मा (तहसील अध्यक्ष दादरी) समेत अन्य कार्यकर्ता मौजूद रहे।

चांदी कारोबारी से करोड़ों के आभूषण लूट का खुलासा, पांच बदमाश गिरफ्तार

635 ग्राम सोना और 12.138 किलो चांदी बरामद, तमंचा-कारतूस व वारदात में इस्तेमाल बलेनो कार भी मिली

कपिल चौहान

ग्रेटर नोएडा (वेलकम इंडिया)। चांदी कारोबारी से करोड़ों रुपये के आभूषणों की लूट के मामले का गौतमबुद्धनगर पुलिस ने सनसनीखेज खुलासा करते हुए पांच आरोपियों को गिरफ्तार किया है। थाना बीटा-2 पुलिस, एसओजी ग्रेटर नोएडा और थाना इकोटेक-1 की संयुक्त टीम ने कार्रवाई करते हुए आरोपियों के कब्जे से लूट का संपूर्ण माल बरामद कर लिया है।

पुलिस के अनुसार, 2 अगस्त 2026 को चांदी कारोबारी से लूट की सूचना मिलने पर मुकदमा दर्ज किया गया था। वारदात के खुलासे के लिए पांच विशेष टीमों का गठन किया गया। टीमों ने सीसीटीवी फुटेज, इलेक्ट्रॉनिक साक्ष्य, सर्विलांस और स्थानीय खुफिया तंत्र की मदद से बदमाशों की तलाश शुरू की। लगातार की गई कार्रवाई के बाद 4 और 5 अगस्त की मध्यरात्रि एटीएस गोलचक्कर के पास से पांच आरोपियों अंकुर, अमित, सोहित बंसल, हिमांशु और कमलकांत को गिरफ्तार कर लिया गया।

635 ग्राम सोना और 12 किलो से अधिक चांदी बरामद

पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से करीब 635 ग्राम सोने के आभूषण और 12.138 किलोग्राम चांदी के आभूषण बरामद किए हैं। इसके अलावा वारदात में इस्तेमाल बिना नंबर प्लेट की बलेनो कार, एक अवैध .315 बोर का तमंचा और दो जिंदा कारतूस भी बरामद किए गए हैं।

चांदनी चौक में कई दिन की थी रेकी

पूछताछ में सामने आया कि आरोपी संगठित गिरोह के रूप में काम करते थे। गिरोह पहले व्यापारियों की रेकी करता था और उनके आने-जाने तथा माल ले जाने की जानकारी जुटाता था। पुलिस के मुताबिक, मुख्य आरोपी कमलकांत ने दिल्ली के चांदनी चौक क्षेत्र में कई दिनों तक व्यापारियों की गतिविधियों पर नजर रखी थी। जानकारी जुटाने के बाद बदमाशों ने दो कारों से व्यापारी का पीछा किया। जीरो प्वाइंट के पास दुर्घटना का बहाना बनाकर व्यापारी का वाहन रुकवाया गया। इसके बाद हथियार के बल पर आभूषणों से भरा बैग लूटकर आरोपी फरार हो गए।

तकनीकी जांच से खुला लूट का राज

वारदात के बाद पुलिस ने सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगालने के साथ इलेक्ट्रॉनिक साक्ष्यों और सर्विलांस की मदद से आरोपियों तक पहुंच बनाई।

पुलिस की त्वरित कार्रवाई और तकनीकी जांच के चलते कुछ ही दिनों में गिरोह का पदार्फाश कर दिया गया और लूटा गया पूरा माल बरामद कर लिया गया।

मोदीनगर में खाटू श्याम सेवा ट्रस्ट के कांवड़ सेवा शिविर का शुभारंभ

अनिल वशिष्ठ

मोदीनगर(वेलकम इंडिया)। दिल्ली-मेरठ मार्ग स्थित पीबीएस इंटर कॉलेज के सामने बुधवार को खाटू श्याम सेवा ट्रस्ट द्वारा कांवड़ सेवा शिविर का शुभारंभ किया गया। शिविर का उद्घाटन विधि-विधान से पूजा-अर्चना के साथ किया गया। इस दौरान भगवान शिव और बाबा खाटू श्याम के जयकारों से पूरा वातावरण भक्तिमय हो गया। ट्रस्ट के पदाधिकारियों ने बताया कि सावन माह में हरिद्वार और गंगोत्री से पवित्र गंगाजल लेकर आने वाले कांवड़ यात्रियों की सेवा के उद्देश्य से शिविर लगाया गया है।

शिविर में श्रद्धालुओं के लिए शुद्ध पेयजल, शरबत, चाय, भोजन, प्राथमिक उपचार तथा विश्राम की समुचित व्यवस्था की गई है। इसके अलावा यात्रियों की सुविधा के लिए अन्य आवश्यक सेवाएं भी उपलब्ध कराई जाएंगी।ट्रस्ट अध्यक्ष मंगल गुप्ता ने कहा कि कांवड़ यात्रियों की सेवा करना पुण्य का कार्य है और ट्रस्ट पिछले कई वर्षों से निस्वार्थ भाव से यह सेवा करता आ रहा है।

उन्होंने कहा कि शिविर में पूरे सावन माह के दौरान स्वयंसेवक दिन-रात सेवा कार्य में जुटे रहेंगे, ताकि किसी भी श्रद्धालु को किसी प्रकार की असुविधा न हो। इस अवसर पर नरेंद्र गुप्ता, हरिकिशन कश्यप, मनोज गुप्ता, रजत शर्मा, गौरव सैन, गौरव शर्मा, प्रदीप गर्ग तथा शिवदेव कुमार सहित ट्रस्ट के पदाधिकारी एवं बड़ी संख्या में सामाजिक कार्यकर्ता और श्रद्धालु उपस्थित रहे। सभी ने कांवड़ यात्रियों का स्वागत करते हुए उनकी सुखद एवं सुरक्षित यात्रा की कामना की।

राज्य कर विभाग की सराहनीय पहल, 'व्यापारी संवाद' से बढ़ा व्यापारियों का विश्वास

आरडीसी स्थित कृष्णा सागर होटल में हुआ व्यापारी संवाद कार्यक्रम, अधिकारियों ने आमने-सामने बैठकर सुनीं व्यापारियों की समस्याएं

वेलकम इंडिया संवाददाता

गाजियाबाद। राज्य कर विभाग द्वारा व्यापारियों और विभाग के बीच बेहतर समन्वय स्थापित करने तथा उनकी समस्याओं के समाधान के उद्देश्य से आरडीसी स्थित कृष्णा सागर होटल में 'व्यापारी संवाद कार्यक्रम' का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में व्यापारियों ने अपनी विभिन्न समस्याओं और व्यापार के दौरान आने वाली व्यावहारिक कठिनाइयों को अधिकारियों के समक्ष खुलकर रखा।

राज्य कर विभाग के अधिकारियों ने व्यापारियों की समस्याओं को गंभीरता से सुना और उनके समाधान को लेकर व्यापारियों के साथ विस्तार से विचार-विमर्श किया। अधिकारियों ने व्यापारियों को भरोसा दिलाया कि वे विभाग को अपना सहयोगी समझें और किसी भी समस्या को लेकर संकोच न करें।

अधिकारियों ने कहा कि राज्य कर विभाग से संबंधित किसी भी समस्या, शंका अथवा परेशानी के समाधान के लिए व्यापारी बिना किसी झिझक के सीधे अधिकारियों से मिल सकते हैं। व्यापारी विभागीय कार्यालय में आकर अपनी समस्या अधिकारियों के सामने रखें, ताकि नियमानुसार उसका उचित समाधान निकाला जा सके।

राज्य कर विभाग की इस पहल का व्यापारियों ने स्वागत करते हुए इसे सराहनीय एवं व्यापार हित में महत्वपूर्ण कदम बताया। व्यापारियों का कहना था कि जब अधिकारी और व्यापारी आमने-सामने बैठकर संवाद करते हैं तो कई समस्याओं और भ्रांतियों का समाधान आसानी से हो जाता है। इससे विभाग और व्यापारी समाज के बीच विश्वास एवं बेहतर तालमेल भी मजबूत होता है।

कार्यक्रम के बाद व्यापारियों में खुशी और उत्साह का माहौल देखने को मिला। व्यापारियों ने उम्मीद जताई कि भविष्य में भी इस प्रकार के संवाद कार्यक्रम नियमित रूप से आयोजित किए जाएंगे, जिससे विभाग और व्यापारी समाज के बीच विश्वास, पारदर्शिता और आपसी सहयोग और अधिक मजबूत हो सके।

व्यापारियों ने अधिकारियों द्वारा उनकी समस्याओं को गंभीरता से सुनने और समाधान के लिए सकारात्मक पहल करने पर राज्य कर विभाग एवं उपस्थित अधिकारियों की सराहना की।

कार्यक्रम में ये अधिकारी रहे शामिल

व्यापारी संवाद कार्यक्रम में राज्य कर विभाग की ओर से विनय प्रकाश गौतम, डिप्टी कमिश्नर सेक्टर–3 ; भैया लाल, असिस्टेंट कमिश्नर सेक्टर–3/सहायक राज्य कर, गाजियाबाद ; अरुण कुमार सिंह, अप्लाई कमिश्नर सेक्टर–1 ; अमित सिंह, असिस्टेंट कमिश्नर सेक्टर–4 ; दीपेंद्र सोनकर, C.T.O.–4 तथा राजीव कुमार, C.T.O.–1 सहित अन्य अधिकारी मौजूद रहे।

दिल्ली-मेरठ एक्सप्रेसवे पर दर्दनाक हादसा, बाइक सवार तीन युवकों की मौत

भोजपुर क्षेत्र में आगे चल रहे वाहन से टकराने की आशंका, मौके पर क्षतिग्रस्त बाइक और आधी खाली शराब की बोतल मिली

कपिल चौहान

गाजियाबाद (वेलकम इंडिया)। भोजपुर थाना क्षेत्र में दिल्ली-मेरठ एक्सप्रेसवे पर बुधवार को हुए दर्दनाक सड़क हादसे में बाइक सवार तीन युवकों की मौके पर ही मौत हो गई। हादसे की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और तीनों शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए मोर्चरी भेज दिया। मृतकों के परिजनों को भी सूचना दे दी गई है। प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि मृतकों में ज्ञान प्रकाश और उनके दो साथी शामिल हैं। तीनों मूल रूप से अलीगढ़ के रहने वाले बताए गए हैं और वर्तमान में हरियाणा के झज्जर में रह रहे थे। तीनों एक ही बाइक पर सवार होकर दिल्ली से मेरठ की ओर जा रहे थे। पुलिस के मुताबिक, घटनास्थल पर बाइक का अगला हिस्सा बुरी तरह क्षतिग्रस्त मिला। इससे प्रथम दृष्टया आशंका है कि बाइक आगे चल रहे किसी वाहन से टकराई होगी। हालांकि, हादसे की वास्तविक वजह की जांच की जा रही है। मृतकों के बैग से आधी खाली शराब की बोतल भी बरामद हुई है। पुलिस ने घटनास्थल का निरीक्षण कर आवश्यक साक्ष्य जुटाए हैं। परिजनों को सूचना देने के साथ ही शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। मामले में अन्य वैधानिक कार्रवाई की जा रही है।

जयपुरिया मॉल में युवती से मारपीट का वीडियो वायरल, आरोपी युवक हिरासत में

वेलकम इंडिया संवाददाता

गाजियाबाद। थाना इंदिरापुरम क्षेत्र स्थित जयपुरिया मॉल में युवक द्वारा युवती के साथ मारपीट किए जाने का वीडियो मंगलवार शाम सोशल मीडिया पर वायरल हो गया। वीडियो सामने आते ही पुलिस ने मामले का तत्काल संज्ञान लेते हुए जांच-पड़ताल शुरू की।

जांच के दौरान पुलिस को पता चला कि वीडियो जयपुरिया मॉल का है और उसमें दिखाई दे रहे युवक-युवती पूर्व से एक-दूसरे को जानते हैं। किसी बात को लेकर दोनों के बीच विवाद हुआ, जिसके बाद युवक ने युवती के साथ मारपीट की। मामले में थाना इंदिरापुरम पुलिस ने तत्काल संबंधित धाराओं में अभियोग पंजीकृत कर लिया। पुलिस ने आरोपी युवक को हिरासत में लेकर उसके विरुद्ध अग्रिम वैधानिक कार्रवाई शुरू कर दी है।

पुलिस अधिकारियों का कहना है कि सोशल मीडिया के माध्यम से सामने आने वाले ऐसे मामलों पर तत्काल संज्ञान लेते हुए आवश्यक कानूनी कार्रवाई सुनिश्चित की जा रही है।

दादरी तहसील में संविदाकर्मियों पर रिश्वतखोरी के आरोप, भाकियू भानू ने SDM को सौंपा ज्ञापन

कपिल चौहान

गौतम बुद्ध नगर (वेलकम इंडिया)। भारतीय किसान यूनियन (भानू) के पदाधिकारियों ने बुधवार को दादरी तहसील पहुंचकर उपजिलाधिकारी (SDM) को ज्ञापन सौंपा। ज्ञापन के माध्यम से तहसील में संविदा पर कार्यरत कर्मचारियों पर रिश्वतखोरी, अवैध उगाही तथा आम जनता से दुर्व्यवहार किए जाने के आरोप लगाते हुए मामले की निष्पक्ष जांच और दोषी पाए जाने पर उचित कानूनी कार्रवाई की मांग की गई।

भाकियू पदाधिकारियों ने कहा कि तहसील में सरकारी कार्यों के लिए आने वाले आम नागरिकों के साथ किसी भी प्रकार की अवैध वसूली अथवा दुर्व्यवहार बर्दाश्त नहीं किया जाना चाहिए। उन्होंने प्रशासन से पूरे प्रकरण की गंभीरता से जांच कराकर आवश्यक कार्रवाई सुनिश्चित करने की मांग की। इस अवसर पर विधानसभा अध्यक्ष दादरी जीवाराम यादव, प्रदेश महासचिव संजय नागर, जिला अध्यक्ष राजकुमार नागर, जिला अध्यक्ष सैनिक प्रकोष्ठ लोकेश चन्द्र शर्मा, जिला उपाध्यक्ष विधि प्रकोष्ठ एडवोकेट मदनलाल शर्मा, तहसील उपाध्यक्ष दादरी पंकज चौधरी व प्रमोद शर्मा, तहसील अध्यक्ष गाजियाबाद एडवोकेट विनय कौशिक, तहसील अध्यक्ष महिला मोर्चा दादरी रजनी कटियार सहित अमित शर्मा, जितेन्द्र तोगड़, सीमा गंगवार, गीता देवी, बीना देवी, विमलेश देवी, कपिल भाटी और भानू प्रकाश शर्मा (तहसील अध्यक्ष दादरी) समेत अन्य कार्यकर्ता मौजूद रहे।

पावस गीत गोष्ठी में बही गीतों की रसधारा

वेलकम इंडिया संवाददाता

नई दिल्ली। दिल्ली में आयोजित पावस गीत गोष्ठी साहित्य और संगीत के सुरों से सराबोर रही। प्रेस क्लब ऑफ इंडिया, रायसीना रोड में आयोजित इस कार्यक्रम में देश के प्रतिष्ठित गीतकारों ने वर्षा, प्रकृति, भारतीय संस्कृति और मानवीय संवेदनाओं पर आधारित अपने गीतों का भावपूर्ण पाठ किया।गोष्ठी की शुरूआत गाजियाबाद के प्रसिद्ध गीतकार डाड्ढ संजीव शर्मा(पूर्वपार्षद) ने अपने प्रसिद्ध गीत 'दावा तो नही कोई,पर बात बडी होगी।हर हाल में उभरेंगे सौगात बडी होगी' से किया कार्यक्रम का संचालन देश के सुप्रसिद्ध गीतकार डॉ. ओंकार त्रिपाठी ने किया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि ऋषि कुमार शर्मा (पूर्व उपसचिव, हिंदी अकादमी, दिल्ली) ने कहा कि गीत काव्य की अद्भुत विधा है, जिसमें भारतीय जीवन-मूल्य, संस्कृति और मानवीय संवेदनाओं के दर्शन होते हैं। गीत लिखना अत्यंत दुष्कर कार्य है, इसलिए अनेक रचनाकार अन्य विधाओं की ओर चले जाते हैं। गीत जैसी विधा को जीवंत बनाए रखने के लिए युवाओं को इससे जोड़ना समय की आवश्यकता है। कार्यक्रम के सारस्वत अतिथि डॉ. सुशील द्विवेदी (सहायक संपादक, साहित्य अकादमी) ने कहा कि भारतीय छंद, गीत और दर्शन की महान परंपरा के उत्तराधिकारी होने के नाते आपके गीतों में भारतभूमि की गंध, उसका एकात्मबोध, उसकी भाषाएँ और छंद-विधान अनिवार्य हैं। केवल धुन और प्रस्तुति से नहीं, बल्कि मौलिक संवेदना और भारतीयता से ही प्रामाणिक गीत का सृजन संभव है। कार्यक्रम के संयोजक एवं सुप्रसिद्ध शायर-गीतकार शिवकुमार बिलगरामी ने सावन और भगवान शिव की महिमा पर आधारित अपनी चर्चित रचनाओं 'कौन दिशा में छुपा कर बैठा ओ गंगाधर पर्वतवासी' तथा 'कल्पवृक्ष की शाखाओं पर बंधे हुए हैं अनगिन धागे...' का प्रभावशाली पाठ कर श्रोताओं की खूब सराहना प्राप्त की। कार्यक्रम के संचालक डॉ. ओंकार त्रिपाठी ने अपने उद्बोधन में कहा कि 'जब गद्य असमर्थ हो जाता है, तब कविता जन्म लेती है और जब कविता भी अपनी अभिव्यक्ति में असमर्थ हो जाती है, तब गीत जन्म लेता है। गीत रस है, जो स्वयं रस-वर्षा करता है और समाज को रसग्राही बनाता है।' गोष्ठी में डॉ. ओंकार त्रिपाठी, शिवकुमार बिलगरामी सहित डॉ. राजीव कुमार पांडेय, विनय विक्रम सिंह 'मनकही', नेहा वैद, नीना सहर पीयूष कांति, नरेंद्र मस्ताना, डॉ. ईश्वर सिंह,डाड्ढ संजीव शर्मा(पूर्व पार्षद),शोभा सचान तथा डी.पी. सिंह और शैलजा सिंह ने अपने गीतों से श्रोताओं को भाव विभोर कर दिया। इस कार्यक्रम में उपस्थित साहित्य प्रेमी एवं गीत-रसिकों ने झूम-झूमकर गीतों का आनंद लिया। बहुत दोनों बाद दिल्ली में एक विशुद्ध गीत गोष्ठी का सफल आयोजन किया गया।

13 अगस्त को गाजियाबाद में गूंजेगा तिरंगे का जयघोष, शौर्य यात्रा से भाजपा का जनसंपर्क अभियान होगा तेज

20 मंडलों से लेकर बूथ तक कार्यकताओं को मिली जिम्मेदारी, 2027 में ऐतिहासिक जीत का लिया संकल्प

वेलकम इंडिया संवाददाता

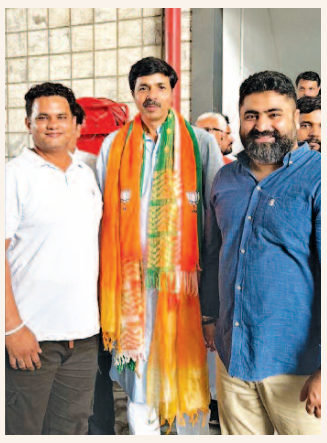

गाजियाबाद। भारतीय जनता पार्टी महानगर गाजियाबाद की ओर से 13 अगस्त को निकाली जाने वाली भव्य शौर्य तिरंगा यात्रा की तैयारियों को लेकर आईएनएमैंटेक कॉलेज में महानगर स्तरीय बैठक आयोजित की गई। महानगर अध्यक्ष मयंक गोयल के नेतृत्व में हुई बैठक में प्रदेश उपाध्यक्ष राजेश यादव मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए।

प्रदेश उपाध्यक्ष राजेश यादव ने कहा कि शौर्य तिरंगा यात्रा राष्ट्रभक्ति, वीर जवानों के सम्मान और संगठन की ताकत का प्रतीक बनेगी। उन्होंने कार्यकताओं से आ'ान किया कि तिरंगे और राष्ट्रभक्ति का संदेश घर-घर तक पहुंचाएं तथा स्वतंत्रता सेनानियों और वीर सैनिकों के बलिदान से नई पीढ़ी को अवगत कराएं।

महानगर अध्यक्ष मयंक गोयल ने कहा कि यात्रा को ऐतिहासिक बनाने के लिए महानगर के सभी 20 मंडलों, वार्डों और बूथों पर व्यापक जनसंपर्क अभियान चलाया जाएगा। विद्यालयों, सामाजिक संगठनों, युवाओं, महिलाओं और सर्वसमाज की भागीदारी सुनिश्चित की जाएगी। यात्रा में भारत माता की झांकियां, स्वतंत्रता सेनानियों व वीर सैनिकों की वेशभूषा में बच्चे, ढोल-ताशे, बैंड, तिरंगों से सजे वाहन और सांस्कृतिक कार्यक्रम आकर्षण का केंद्र रहेंगे।

बैठक में कार्यकताओं ने हर घर तिरंगा अभियान को सफल बनाने तथा घर-घर संपर्क कर लोगों को तिरंगा फहराने के लिए प्रेरित करने का संकल्प लिया।

साथ ही नई पीढ़ी को देश के गौरवशाली इतिहास और सेना के शौर्य से परिचित कराने पर जोर दिया गया।

इस दौरान आगामी 2027 विधानसभा चुनाव में भाजपा को पिछली बार से अधिक मतों से ऐतिहासिक विजय दिलाने का संकल्प भी लिया गया।

पन्ना प्रमुख से लेकर बूथ समिति तक कार्यकताओं को घर-घर संपर्क, संगठन को मजबूत करने और सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं को प्रत्येक परिवार तक पहुंचाने की जिम्मेदारी दी गई।

बैठक में पूर्व महानगर अध्यक्ष अजय शर्मा, प्रदेश कार्यकारिणी सदस्य विशेश्वर त्यागी, अनिल खेड़ा, डिप्टी मेयर प्रवीण चौधरी, प्रदीप चौहान वाल्मीकि, महानगर महामंत्री राजेश यादव, पंकज भारद्वाज, गौरव चोपड़ा सहित मंडल प्रभारी, मंडल अध्यक्ष, महानगर पदाधिकारी और बड़ी संख्या में कार्यकर्ता मौजूद रहे।

गाजियाबाद में अंतरराज्यीय वाहन चोर गिरोह का भंडाफोड़, पांच कारें बरामद

वेलकम इंडिया संवाददाता

गाजियाबाद। चार पहिया वाहन चोरी की घटनाओं पर अंकुश लगाने के लिए चलाए जा रहे अभियान में गाजियाबाद पुलिस को बड़ी सफलता मिली है। स्वाट टीम, अपराध शाखा और थाना ट्रोनिका सिटी पुलिस ने संयुक्त कार्रवाई करते हुए अलीगढ़, आगरा, लखनऊ, गोरखपुर, प्रयागराज, गाजियाबाद और दिल्ली-एनसीआर क्षेत्र में वाहन चोरी करने वाले अंतरराज्यीय गिरोह का पदार्फाश किया है। पुलिस ने गिरोह के चार सक्रिय सदस्यों को गिरफ्तार किया है। इनमें बुलंदशहर में वाहन चोरी के मामले में वांछित और 20 हजार रुपये का इनामी अपराधी भी शामिल है।

पुलिस के अनुसार गिरफ्तार आरोपियों की पहचान आदित्य सिंह, रिंकू उर्फ सचिन उर्फ रंजीत, दिलीप उर्फ छोटू और माजिद उर्फ भूरा के रूप में हुई है। पुलिस टीम ने इन्हें थाना ट्रोनिका सिटी क्षेत्र स्थित आवास विकास आसरा-2, नवादा कट, सपना चौराहा के पास से गिरफ्तार किया। गिरफ्तार आरोपियों के कब्जे से चोरी की पांच चार पहिया गाड़ियां बरामद की गई हैं। इनमें महिंद्रा स्कॉर्पियो, मारुति ब्रेजा, किआ सेल्टोस, ग्रैंड विटारा और मारुति स्विफ्ट शामिल हैं। इसके अलावा फर्जी नंबर प्लेट और वाहन चोरी में इस्तेमाल किए जाने वाले इलेक्ट्रॉनिक उपकरण भी पुलिस ने बरामद किए हैं।

पुलिस जांच में सामने आया है कि गिरोह के सदस्य अलग-अलग शहरों और दिल्ली-एनसीआर क्षेत्र से चार पहिया वाहन चोरी करने के बाद उनकी खरीद-फरोख्त करते थे। गिरोह के नेटवर्क और इससे जुड़े अन्य सदस्यों की जानकारी जुटाने के लिए पुलिस पूछताछ कर रही है।

यह कार्रवाई पुलिस आयुक्त कमिश्नरेट गाजियाबाद के निर्देशन तथा अपर पुलिस उपायुक्त (अपराध) के कुशल नेतृत्व में की गई।

पुलिस का कहना है कि वाहन चोरी के इस नेटवर्क से जुड़े अन्य आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए भी प्रयास जारी हैं।